अवध की आवाज

www.avadhkaawaz.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

वर्ष–12 अंक–186 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ रविवार 5 नवम्बर 2023 पृष्ठ – 4 मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

बीएचयू के गेट पर छात्र छात्राओं के प्रदर्शन को भाकपा माले रेडस्टार का समर्थन

लखनऊ। भाकपा माले रेडस्टार उत्तर प्रदेश राज्य सांगठनिक कमेटी ने आईआईटी बीएचयू में छात्रा के साथ छेड़खानी की घटना में यूनिवर्सिटी प्रशासन की लीपापोती के खिलाफ बीएचयू के लंका गेट पर जारी छात्र छात्राओं के प्रदर्शन का समर्थन किया है। आरोप लगाया है कि आईआईटी बीएचयू में छात्रा के साथ छेड़खानी की शर्मनाक घटना के बाद ठोस कार्यवाही के बजाय विश्वविद्यालय प्रशासन इस मुद्दे पर लीपापोती कर रहा हैं और सुरक्षा के नाम पर आईआईटी कैम्पस और बीएचयू के बीच दीवार खड़ी करके छात्रों को बांटने की साजिश कर रहा है। पार्टी ने कहा कि प्रशासन के इस षड्यंत्र के खिलाफ बीएचयू के छात्र लंका गेट पर धरना प्रदर्शन कर रहे हैं जिसका पार्टी समर्थन करती है। भाकपा माले रेडस्टार उत्तर प्रदेश राज्य सांगठनिक कमेटी के समन्वयक कामरेड कन्हैया ने बनारस में मौजूद छात्र छात्राओं, छात्र संगठनो से जुड़े नेताओं और कार्यकर्ताओं सहित तमाम बामपंथी जनवादी ताकतों से अपील किया है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में लंका गेट पर पहुँच कर छात्र छात्राओं के प्रदर्शन का समर्थन करें और प्रशासन द्वारा छात्रों के बीच बंटवारे की साजिश के खिलाफ एकजुट होकर प्रतिरोध की आवाज को बुलंद करें।

भाजपा कार्यालय का घेराव करने पहुंचे आम आदमी पार्टी के सैकड़ों कार्यकता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के हजरतगंज स्थित भाजपा कार्यालय के बाहर आज आम आदमी पार्टी की महिला विंग ने बढ़ती महंगाई और संजय सिंह की गिरफ्तारी को लेकर धरना प्रदर्शन किया। इस धरना प्रदर्शन के दौरान सैकड़ो की संख्या में महिला कार्यकर्ता बीजेपी कार्यालय के बाहर पहुंची और धरना दिया। आप नेता संजय सिंह की गिरफ्तारी के खिलाफ आज राजधानी लखनऊ के हजरतगंज स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय का घेराव करने पहुंचे आम आदमी पार्टी के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर विरोध जताया प्रदर्शन को देख भारी संख्या में पुलिस बल पहुंची और प्रदर्शन कर रहे आप कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर ईको गार्डन भेजा गया प्रदर्शन कर रहे आप कार्यकर्ताओं ने बताया कि केन्द्र सरकार के इसारे पर आम आदमी पार्टी के बड़े नेताओं को टारगेट किया जा रहा है। आप नेता संजय सिंह की गिरफ्तारी और बीजेपी सरकार की बढ़ती तानाशाही को लेकर के आज आम आदमी पार्टी ने उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में धरना प्रदर्शन किया इस प्रदर्शन के दौरान कई जगहों पर पुलिस से झड़प हुई । संजय सिंह की गिरफ्तारी के बाद से ही आम आदमी पार्टी लगातार प्रदेश में अपनी आवाज बुलंद करने का काम कर रहा है साथी का यह कहना है कि भाजपा के शासनकाल में सिर्फ तानाशाही के दम पर लोगों को फसाया जा रहा है।

जमीन कब्जामुक्त कराएंगे, आवास भी बनवा देंगे : योगी

जनता दर्शन में सीएम योगी ने सुनी फरियाद,महिला को दिया आश्वासन

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में लोगो गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में जुटे करीब 300 लोगों से मिले। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के के इलाज के लिए पर्याप्त आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। किसी की जमीन पर अवैध कब्जा

की समस्याएं सुनीं। जमीन कब्जा से जुड़ी शिकायतों पर अफसरों को निर्देशित किया कि जमीन कब्जा करने वाले दबंगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।उन्होंने एक शिकायत लेकर पहुंची महिला को आश्वस्त किया,जमीन कब्जामुक्त कराने के साथ ही आवास भी बनवा देंगे। शनिवार सुबह मुख्यमंत्री योगी लोगों तक खुद जाकर उनकी समस्याएं सुनीं और पास में मौजूद अधिकारियों को समस्या निस्तारण के लिए त्वरित कार्यवाही का निर्देश दिया। लोगों को भरोसा दिया कि सबकी समस्याओं का निस्तारण कराया जाएगा। जिन्हें आवास की समस्या है उन्हें सरकारी योजना से आवास दिलाया जाएगा। गंभीर बीमारियों नहीं होने देंगे। भू माफियाओ के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई होगी। जनता दर्शन में एक महिला ने मुख्यमंत्री को बताया कि आर्थिक स्थिति ठीक न होने से उसके पास पक्का आवास नहीं है, जमीन पर दबंग ने कब्जा कर लिया है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को जल्द जमीन कब्जामुक्त कराकर महिला को वापस दिलाने का आदेश दिया।

योगी कैबिनेट का संभावित विस्तार जल्द, निगाह पिछड़ों पर

राजभर और दारा सिंह को मिल सकता है तोहफा

लखनऊ,(यूएनएस)। योगी आदित्यनाथ कैबिनेट का विस्तार जल्द संभव है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की इस संबंध में पार्टी हाईकमान से बातचीत हो चुकी है। विपक्षी जातीय जनगणना के दांव की काट कैबिनेट विस्तार में दिख सकती है। पिछड़ी जाति के मंत्रियों की संख्या बढ़ सकती है।अभी पिछड़ों की संख्या सवर्णों की तुलना में कम है।भाजपा पिछड़ी जातियों को लेकर सतर्क है। पार्टी के साथ सरकार भी इनके नेतृत्व को लेकर संवेदनशील है। केंद्र सरकार के साथ सांसद, विधायकों और अन्य पदों पर इसका ध्यान रहता है। विस्तार में भाजपा के कुछ विधायक भी मंत्री बन सकते हैं।सरकार का लक्ष्य लोकसभा चुनाव में सभी मोर्चों पर मजबूती है।योगी 2.0 में इस समय 52 मंत्री हैं जिनमें 18 कैबिनेट, 14 राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार और बीस राज्यमंत्री हैं। जातीय समीकरणों के आधार पर सबसे ज्यादा 21 सवर्ण मंत्री हैं। 19 ओबीसी और नौ दलित हैं। मुस्लिम और सिख समाज से भी एक–एक मंत्री है।21 सवर्ण मंत्रियों में आठ क्षत्रिय, सात ब्राह्मण, तीन वैश्य समाज से, दो भूमिहार और एक कायस्थ हैं। विस्तार में एनडीए के सहयोगी दल सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर और पूर्व मंत्री दारा सिंह चौहान को मंत्री बनाए जाने की उम्मीद है। राजभर और चौहान पिछड़ी जातियों का प्रतिनिधित्व करते हैं।इनके मंत्रिपरिषद में शामिल होते ही सवर्ण और पिछड़ी जाति के मंत्रियों की संख्या बराबर हो जाएगी। सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर का पूर्वांचल के कुछ जिलों में अच्छा प्रभाव है,इसीलिए भाजपा ने दोबारा गठबंधन में लिया और अब दूसरी बार मंत्रिपरिषद में शामिल करने की तैयारी है। 19 मार्च 2017 से 20 मई 2019 तक योगी 1.0 में पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री के पद पर कार्यरत थे।जब उन्होंने मंत्रिपद छोड़ा था, उससे पहले बेटों के समायोजन को लेकर भाजपा पर दबाव बनाने के लिए उन्होंने सार्वजनिक बयानबाजी की थी। भाजपा ने तवज्जो नहीं दी। 27 अक्टूबर 2002 को अपनी पार्टी का गठन करने वाले राजभर को लंबे संघर्ष के बाद 2017 के विधानसभा चुनाव में सफलता मिली। इस चुनाव में राजभर की पार्टी से पहली बार चार सदस्य चुनकर विधानसभा पहुंचे। 2022 का विधानसभा चुनाव उन्होंने सपा और राष्ट्रीय

लोकदल के साथ मिलकर लड़ा, जिसमें उनके छह सदस्य चुनकर विधानसभा पहुंचे। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कुछ अपने नेताओं को सुभासपा के टिकट पर उतारा था। चुनाव के कुछ दिन बाद ओमप्रकाश राजभर की अखिलेश यादव के साथ ज्यादा दिन तक नहीं निभी और उन्होंने समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन तोड़ने का फैसला किया और बाद में दोबारा भाजपा के साथ लौट आए। दारा सिंह चौहान योगी आदित्यनाथ की पिछली सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे और लगभग पांच साल कैबिनेट मंत्री रहने के बाद टिकट कटने के डर से भाजपा छोड़ सपा का दामन थामा।वह सपा के टिकट पर 2022 का विधानसभा चुनाव घोसी सीट से लड़े और जीतने में कामयाब रहे। अखिलेश यादव सरकार बनाने में नाकाम रहे, तो चौहान ने भाजपा शीर्ष नेतृत्व से संपर्क साधा और अपनी विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा देकर दोबारा भाजपा में शामिल हो गए। इस्तीफे से रिक्त हुई सीट पर उपचुनाव हुए, जिसमें दारा सिंह चौहान को समाजवादी पार्टी के सुधाकर सिंह से हार गए। भाजपा इन्हें दोबारा मंत्री बनाती है तो छह माह के भीतर किसी सदन की सदस्यता भी दिलानी होगी। उम्मीद की जा रही है कि पार्टी इन्हें विधान परिषद भेज देगी। दीपावली से पूर्व मंत्रिपरिषद का विस्तार के आसार प्रबल हैं।

ताजमहल के पार्श्व में मनाया गया गंगा उत्सव

आगरा। आगरा में ताजमहल के पीछे स्थित दशहरा घाट पर गंगा उत्सव 2023 के तहत चित्रकला व रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। साथ ही यमुना नदी पर सफाई अभियान भी चलाया गया। इसमें स्कूलों के बच्चे भी मौजूद रहे। जिन्होंने स्वच्छ यमुना थीम पर सुंदर–सुंदर पेंटिंग बनाई और साथ ही रंगोली बनाकर लोगों को यमुना नदी को स्वच्छ रखने के प्रति जागरूक किया। आगरा के दशहरा घाट पर शनिवार को जिला गंगा समिति, सामाजिक वानिकी विभाग द्वारा घाट स्वच्छता, गंगा संकल्प, सांस्कृतिक कार्यक्रम, चित्रकला, रंगोली प्रतियोगिता, संगोष्ठी, गंगा आरती और भजन संध्या कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्कूल के दर्जनों बच्चों के साथ आसपास के लोगों ने भी इस कार्यक्रम में बढ़कर का हिस्सा लिया और यमुना नदी को स्वच्छ रखने की शपथ भी ली। इस कार्यक्रम में वन विभाग के तमाम अधिकारी भी प्रमुख रूप से मौजूद रहे। वन विभाग की रेंज फॉरेस्ट ऑफिसर दिशा सिंह ने बताया कि आज आगरा के दशहरा घाट पर गंगा उत्सव 2023 मनाया जा रहा है, जिसके तहत आसपास के कई स्कूलों से बच्चों को बुलाया गया है। बच्चों द्वारा चित्रकला और रंगोली प्रतियोगिता में भाग लिया जा रहा है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को गंगा और उसकी जितनी भी सहायक नदियां हैं, उनकी स्वच्छता और गुणवत्ता के प्रति जागरूक करना है। पास में स्थित लोपामुद्रा स्कूल के करीब 50 बच्चे इसमें प्रतिभा कर रहे हैं। आसपास के जो लोग इस कार्यक्रम में शामिल हुए उनके द्वारा यहां पर हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया। साथ ही बच्चों और लोगों को नदियों को स्वच्छ रखने के लिए शपथ भी दिलाई गई। बच्चों ने सुंदर सुंदर पेंटिंग और रंगोली भी बनाई है।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठाः अक्षत पूजन आज, अयोध्या में जुटे प्रांत प्रमुख

निर्माण की प्रगति समीक्षा पांच व छह नवंबर को होगी

श्रीरामजन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ने पूरे विश्व में रामभक्तों को भेजा पत्र

लखनऊ,(यूएनएस)। रामलला के प्राण प्रतिष्ठा उत्सव को भव्य होगा,इसकी तैयारी में तनिक भी कोताही नहीं होगी। श्रीरामजन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं विश्व हिन्दू परिषद के सांगठनिक नेटवर्क के जरिए देश के पांच लाख गांवों के हर घर में भेजने की योजना का रुटचार्ट ही नहीं तैयार कर लिया है बल्कि अलग–अलग केंद्रों की भी रचना कर ली है। केंद्रों के माध्यम से पूजित अक्षत व आमंत्रण पत्रक भेजा जाएगा। श्रीरामजन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र महासचिव चंपतराय के मुताबिक पांच नवंबर को रामलला के समक्ष अक्षत पूजन के उपरांत दो सौ प्रमुखों को पांच–पांच किलो अक्षत सौंपा जाएगा। अक्षत दो सौ पीतल के कलशों में रखवाया गया है। पूजन के उपरांत कलश समेत अक्षत का वितरण किया जाएगा। अक्षत को भेजने से पहले आवश्यकतानुसार पुनः इन्हीं पूजित अक्षत के साथ अतिरिक्त अक्षत मिश्रित कर दिए जाएंगे। विभाग से लेकर प्रखंड न्याय पंचायत स्तर पर अक्षत भेजा जाएगा। इसके बाद न्याय पंचायत

के कार्यकर्ताओं की टोली इसे गांवों में पहुंचाएगी। अक्षत वितरण रविवार को मध्याह्न 12 बजे जन्मभूमि पथ पर सुग्रीव किला के निकट किया जाएगा। अक्षत के साथ भेजा जाने वाला पत्रक अलग–अलग प्रांतों की क्षेत्रीय भाषाओं में छपवाया गया है। सांगठनिक 48 प्रांतों में से हर प्रांत की ओर से चार से पांच लाख पत्रक छपवाया गया है। इस पत्रक का मजमून तीर्थ क्षेत्र के केन्द्रीय कार्यालय से उपलब्ध कराया गया है जिसमें 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अवसर पर क्षेत्र के स्थानीय मंदिरों में भजन–कीर्तन करने एवं अयोध्या के उत्सव को एलईडी के माध्यम से संजीव दर्शन करने की अपील शामिल हैं।भवन निर्माण समिति चेयरमैन नृपेन्द्र मिश्र रविवार को जन्मभूमि पथ सहित परिसर में निर्माणाधीन परियोजनाओं का अवलोकन करेंगे। इसके बाद परिसर में ही कार्यदाई एजेंसी के अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रगति की समीक्षा करेंगे। श्रीरामजन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र महासचिव चंपतराय ने 22 जनवरी 2024 में होने रामलला के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव से सम्बन्धित आमन्त्रण पत्र विश्व भर के रामभक्तों को सोशल मीडिया के माध्यम से भेजा है। पत्र में अपील है कि पौष शुक्ल द्वादशी विक्रम संवत 2080 तदनुसार 22 जनवरी के शुभ दिन प्रभु राम के बाल रूप नूतन विग्रह को नवीन मंदिर के भूतल के गर्भगृह में विराजित कर प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। आनंद के इस वातावरण में प्राण प्रतिष्ठा की तिथि पर पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न एक बजे के मध्य अपने ग्राम, मोहल्ले व कालोनी के किसी मंदिर में रामभक्तों को एकत्र कर भजन–कीर्तन करें। एलईडी व अन्य माध्यमों से अयोध्या के प्राण प्रतिष्ठा उत्सव के सजीव प्रसारण को दिखाएं। शंख ध्वनि व घंटा नाद के साथ आरती करें एवं प्रसाद वितरित करायें। कार्यक्रम मंदिर केन्द्रित हो और श्रीराम जय जय–जय राम के विजय मंत्र का सामूहिक 108 बार जप करें। सायंकाल सूर्यास्त के बाद घर के सामने देवी–देवताओं की प्रसन्नता के लिए दीप जलाएं व दीपमालिकाएं सजाएं। विश्व के करोड़ों घर में दीपोत्सव मनाया जाए। प्राण प्रतिष्ठा के बाद अनुकूल समय में अयोध्या में दर्शन करे।

गारंटी वाले बिजली मीटर में आ रही गड़बड़ी,

तेज तो कभी स्लो चलने का मामला आया सामने, 7 हजार से अधिक कस्टमर्स के ज्यादा बिल

लखनऊ, (यूएनएस)। मीटर तेज चलने की शिकायत अब सच साबित होने लगी है। प्रदेश के उपभोक्ताओं के यहां लगे इलेक्ट्रानिक मीटर गारंटी के दौरान गड़गड़ हो गए है। पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। इसमें 7167 उपभोक्ताओं के यहां मीटर तेज चलने की बात सामने आई। इसके अलावा 4911 मीटर बैक यानी पीछे की तरफ जा रहे थे। इसमें यूनिट बढ़ने की जगह कम हो रहा था। इन दोनों गड़बड़ियों के अलावा 8238 उपभोक्ताओं के यहां मीटर अपने आप नो डिस्प्ले हो गया था। ऐसे में उपभोक्ता को यह पता ही नहीं है कि उसका मीटर तेज चल रहा है, स्लो चल रहा है या काम नहीं कर रहा है। अब इसको लेकर पूरे प्रदेश में उप्र राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने विरोध शुरू कर दिया है। तेज मीटर चलने की शिकायत पूरे प्रदेश में है। सभी सब स्टेशनों में यह शिकायत रहती है कि उनका मीटर तेज चल रहा है। हालांकि उसके बाद भी मीटर चेक नहीं किया गया। जिससे ज्यादातर जगह पर यह समस्या पकड़ में नहीं आई। उपभोक्ता परिषद ने बताया, कंपनियों ने पूरे प्रदेश में घटिया क्वालिटी के मीटर लगाए हैं। उसको लेकर जांच तेज करना चाहिए। दूसरी तरफ प्रदेश में स्मार्ट मीटर लगाने की पहल भी हो रही है। 25 हजार करोड़ रुपए इस पर खर्च हो रहे है। उत्तर प्रदेश में जहां बिजली उपभोक्ताओं के घर में लगे मीटर गुणवत्ता काफी खराब है। अकेले पश्चिमांचल में 3 साल के अदंर 30 हजार से ज्यादा मीटर खराब पाए गए है। अगर पूरे प्रदेश के आंकड़ों पर नजर डाले तो यह संख्या करीब डेढ़ लाख के आस – पास है। अवधेश वर्मा का कहना है कि प्रदेश की जनता घटिया मीटरों का खामियाजा भुगत रही है। उनको ज्यादा बिल देना पड़ता है। उन्होंने सभी कंपनियों के खिलाफ जांच की मांग की है। इसमें दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और उपभोक्ताओं को मुआवजा देने की मांग की गई है। मॉडर्न ट्रांसफॉर्मर प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के सबसे ज्यादा गारंटी पीरियड में 14696 मीटर खराब हुए। इसमें 6039 मीटर जंप और 3980 मीटर बैक के पाए गए, 3213 नो डिस्प्ले हुए। कैपिटल पावर के 3017 मीटर खराब हुए, इसमें 602 मीटर जम्प, 304 बैक और 451 नो डिस्प्ले वाले रहे। जीनस पावर के थ्री फेस व सिंगल फेस के 3913 मीटर गारंटी पीरियड में खराब हुए। इसमें 146 मीटर जम्प, 165 बैक और 1721 नो डिस्प्ले वाले रहे।

गन पॉइंट पर कपडे उतरवाने वालों को छात्रा ने पहचाना

वाराणसी। आईआईटी–बनारस में 1 नवंबर की रात बीटेक की छात्रा के साथ छेड़छाड़ हुई थी। बुलेट से आए 3 बदमाशों ने छात्रा और उसके दोस्त को गन प्वाइंट पर अलग किया, फिर छात्रा के साथ बदसलूकी की, उसके कपड़े उतरवाए और वीडियो बनाया। घटना के खिलाफ गुरुवार को 2500 छात्रों ने कैंपस में प्रदर्शन किया। इस मामले से दो दिन पहले यानी 30 अक्टूबर को भी छेड़छाड़ की एक और घटना का दावा किया जा रहा है। आईआईटी–बीएचयू स्टूडेंट पार्लियामेंट के मेंबर प्रणव ने बताया कि दोनों घटनाएं एक ही जगह की हैं। तब बदमाशों ने क्लासमेट के साथ जा रही एक छात्रा को जबरदस्ती छुआ था। हालांकि, प्राइवेसी के कारण छात्रा चुप रही। इसकी लिखित शिकायत नहीं की गई। उधर, सूत्रों के मुताबिक, गुरुवार को जिन 3 बदमाशों ने गन पॉइंट पर बीटेक छात्रा से छेड़छाड़ की थी। उनको लड़की ने पहचान लिया है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज से पीड़िता से पहचान कराई। अब पुलिस उनका पता लगा रही है। हालांकि ऑफिशियल तौर पर पुलिस ने इसकी जानकारी नहीं दी है। वहीं एसीपी प्रवीण सिंह ने बताया कि कई संदिग्धों को कस्टडी में लेकर पूछताछ की जा रही है। आरोपी अलर्ट न हों, इसलिए अभी किसी की पहचान जाहिर नहीं कर सकते।

अवैध गांजे के साथ ३ अभियुक्त गिरफ्तार,उड़ीसा और बिहार से होती थी तस्करी

बांदा,(यूएनएस)। बांदा पुलिस को एक बार फिर बड़ी सफलता हाथ लगी है पुलिस ने 16 लाख रुपए की कीमत का अवैध गांजा पकड़ा है। साथ ही तीन अभियुक्त भी पकड़े हैं। यह तीनों तस्कर अंतर्जनपदीय गिरोह के बताए जा रहे हैं। जिन्हें दो कार सहित इटरा बार्डर से गिरफ्तार किया गया है। आपको बता दे क्षेत्र अधिकारी बबेरू ने प्रेस वार्ता कर खुलासा किया की पुलिस और एसओजी की टीम ने अंतर्जनपदीय गांजा तस्कर गिरोह का पर्दाफाश किया है। यह गिरोह उड़ीसा और बिहार से गांजे की तस्करी करते थे। क्षेत्राधिकारी ने बताया कि कमासिन थाना क्षेत्र के इटर्रा बॉर्डर से यह सूचना आई की कुछ लोग यहां मादक पदार्थ की सप्लाई कर रहे हैं। इसके बाद पुलिस और एसओजी की टीम ने संयुक्त छापेमारी की, और घेराबंदी कर तीन अभियुक्तों को पकड़ लिया जिनके पास से लगभग 16 लाख रुपए की कीमत का गांजा बरामद किया, जिसका वजन 80 किलो 400 ग्राम है। पुलिस ने अभियुक्तों के पास से दो कारें भी बरामद की हैं। जिनका प्रयोग गांजा तस्करी में किया जा रहा था। वही मिली जानकारी के अनुसार यह लोग उड़ीसा से गांजा लाकर बांदा जनपद के आस पास के इलाकों में बेचा करते थे।

नॉर्वे के 22 स्टूडेंट्स बीएचयू पहुंचे,24 साल से काशी के मंदिरों में कर रहे रिसर्च

वाराणसी। यूरोपीय देश नॉर्वे के 22 छात्र काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) पहुंचे हैं। यहां पर भारत के सभी धर्मों को जानने–समझने और उन पर रिसर्च करने आए हैं। वाराणसी शहर के तमाम धर्म स्थलों पर घूमने और सर्वे के बाद ये सभी स्टूडेंट्स बीएचयू में ही कॉन्फ्रेंस करेंगे। अपने अनुभव शेयर करते हुए सभी नॉर्वे के 22 छात्र पूरा रिसर्च पेपर भी पब्लिश करेंगे। इसके माध्यम से भारत और नॉर्वे अपने–अपने आर्ट और कल्चर साझा कर अपने संबंधों को नई दिशा देंगे। ये सभी छात्र–छात्रा नॉर्वे के ओस्लो मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी से आए हैं। ये सभी काशी में रहकर हिंदू और बाकी के सभी धर्मों–संस्कृतियों के बारे में सीखेंगे। बीएचयू के असिस्टेंट प्रोफेसर और इस कार्यक्रम के प्रमुख डॉ. प्रवीन राणा ने बताया कि भारत और नॉर्वे का एकेडमिक रिलेशन 24 साल पुराना है। जो कि आगे भी जारी रहेगा। बीएचयू के फैकल्टी ऑफ आर्ट में आज नॉर्वे से आए एक दल ने टूरिज्म मैनेजमेंट के छात्र–छात्राओं से बातचीत की। उन्होंने एक–दूसरे की भाषा, शैली, रहन–सहन, बोली और नेचर के बारे में समझी। अब वाराणसी के मंदिरों और धर्म स्थलों पर जाएंगे। हिंदू धर्म ग्रंथों और संस्कृत के श्लोकों पर रिसर्च कार्य करेंगे। जिससे नॉर्वे में हिंदू संस्कृति के बारे में नॉलेज शेयर कर सकेंगे। नॉर्वे से आए डेलीगेट्स डॉ. कुनुप के प्रमुख ने बताया कि वहां की कला–संस्कृति सब कुछ पर भारत का प्रभाव पड़ रहा है। योग और मेडिटेशन को भी दुनिया भर में स्वीकारा जा रहा है। इसके आगे भी प्रयास जारी हैं। भारत और नॉर्वे के बीच सांस्कृतिक संबंध काफी बेहतर हो रहे हैं। हमारे गानों में भी इंडियन सॉन्ग्स का प्रभाव आ गया है।

सम्पादकीय

विपक्षी गठबंधन की एकता के सारे दावे विधानसभा चुनावों में हवा हवाई हो गये

देश के पांच राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनाव से विपक्षी एकता गठबंधन इंडिया बनने से पहले ही बिखरने के कगार पर आ गया है। लोकसभा चुनाव से पहले गठबंधन के प्रमुख दल सबसे प्रमुख राज्यों में आपस में ही संघर्ष करते नजर आ रहे हैं। कांग्रेस, जनता दल युनाइटेड, समाजवादी पार्टी और आप में सीट बंटवारे के लिए तनाव बढ़ रहा है। इन दलों के नेता और कार्यकर्ता भी आपस में दंगल कर रहे हैं। विधानसभा चुनाव में गैरभाजपा दलों की फूट से अंदाजा लगाया जा सकता है कि आगामी लोकसभा चुनाव में गठबंधन का अंजाम क्या होगा। सपा के नेता ने अखिलेश यादव को प्रधानमंत्री का उम्मीदवार घोषित किया है और कांग्रेस के कार्यकर्ता ने अजय राय को यूपी का अगला सीएम बताया है। इससे इंडिया गठबंधन का तालमेल खराब हो रहा है।

विपक्ष के 26 दलों का जब गठबंधन हुआ तब कहा गया था कि सारे देश में भाजपा के खिलाफ मिलकर लड़ेंगे, लेकिन गठबंधन के सबसे बड़े दल कांग्रेस ने साफ कहा है कि इंडिया का गठन 2024 लोकसभा चुनावों के लिए हुआ न कि विधानसभा चुनाव के लिए। कांग्रेस ने इसी रणनीति के तहत पांच राज्यों मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, मिजोरम और तेलंगाना में अपने किसी सहयोगी दल को तवज्जो नहीं दी। मिजोरम को छोड़कर राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में कांग्रेस की भाजपा से सीधी लड़ाई है। वहीं, तेलंगाना में उसका मुकाबला के. चंद्रशेखर राव की भारत राष्ट्र समिति से है। मध्य प्रदेश में सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस और सपा में शुरू हुआ तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा है। मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस में सीटों का बंटवारा नहीं हो पाया। दोनों तरफ से ये दावा किया गया था कि बीजेपी को हराने के लिए चुनावी तालमेल जरूरी था, पर ऐसा नहीं हुआ तो समाजवादी पार्टी अब कांग्रेस पर धोखेबाजी का आरोप लगा रही है। यही बात कांग्रेस पार्टी के नेता समाजवादी पार्टी के लिए कह रहे हैं।

कांग्रेस के साथ गठबंधन की बात पक्की न हो पाने के बाद मध्य प्रदेश में अखिलेश यादव समाजवादी पार्टी के 45 उम्मीदवार उतार चुके हैं और इसी तरह नीतीश कुमार भी अब तक जेडीयू के 5 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर चुके हैं। जेडीयू की तरफ से दर्जन भर उम्मीदवार चुनाव लड़ने वाले हैं। राजस्थान विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी बिना किसी गठबंधन के चुनाव लड़ेगी। पार्टी ने अब तक किसी अन्य दल से गठबंधन नहीं किया है। साथ ही प्रदेश की सभी 200 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने का फैसला किया है। पार्टी की ओर से जारी अब तक तीन लिस्ट में 49 प्रत्याशियों को मैदान में उतारा गया है।

विधानसभा चुनाव के साथ ही लोकसभा चुनाव की तैयारियों के बीच विपक्षी दलों में अभी से घमासान मचा हुआ है। उत्तर प्रदेश में भाजपा के बाद सपा दूसरे नंबर की पार्टी है लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस की स्थिति ज्यादा मजबूत है। ऐसे में राष्ट्रीय पार्टी सपा से किसी भी तरह का समझौता करने के मूड में नहीं है। मध्य प्रदेश में बीजेपी के मुख्य मुकाबले में कांग्रेस है और इसलिए सपा को सीटें देने से पार्टी ने गुरेज किया था। इसे लेकर अखिलेश यादव ने आपत्ति जताई थी और सवाल किया था कि क्या यह गठबंधन राज्य स्तर पर है या नहीं? तब कांग्रेस ने मध्य प्रदेश में सपा की स्थिति की याद दिलाते हुए उसे कांग्रेस को सहयोग देने की अपील की थी। ऐसे में माना जा रहा है कि यही तर्क यूपी में सीट बंटवारे के दौरान अखिलेश भी कांग्रेस के खिलाफ इस्तेमाल कर सकते हैं। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के मैदान में आमने सामने तो बीजेपी और कांग्रेस हैं, लेकिन निशाने पर समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव आ रहे हैं और सूबे के सियासत की आंच बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तक पहुंच रही है। असल में ये सारी बातें मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच चुनावी गठबंधन को लेकर चल रही हैं। लंबे समय से अखिलेश यादव को लेकर राहुल गांधी का जो रुख सामने आया है, उसका सीधा असर इंडिया गठबंधन पर पड़ना निश्चित है। उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में विपक्ष एकजुट नहीं हो पाता तो देश के बाकी हिस्सों में साथ होकर भी कोई फायदा नहीं होने वाला है।

क्षेत्रीय दल कांग्रेस के लिए कितने महत्वपूर्ण हैं, ये तो राहुल गांधी ने कांग्रेस के उदयपुर मंथन शिविर में उनकी विचारधारा पर टिप्पणी करके जता दिया था। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने साफ तौर पर यही समझाने की कोशिश की थी कि क्षेत्रीय दलों को कांग्रेस का नेतृत्व स्वीकार करना ही होगा। राहुल गांधी की इस टिप्पणी पर कर्नाटक से लेकर बिहार जबरदस्त प्रतिक्रिया हुई थी। अगर दिल्ली अर्थात प्रधानमंत्री पद का रास्ता उत्तर प्रदेश से होकर गुजरता हुआ माना जाता है, तो ये भी मान कर चलना चाहिए कि विपक्षी गठबंधन इंडिया के मामले में भी यही बात लागू होती है। ऐसे में समाजवादी पार्टी को हल्के में लेना राहुल गांधी के लिए बहुत भारी पड़ सकता है।

वर्ष 2017 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी गठबंधन का स्लोगन था यूपी को ये साथ पसंद है। ये साथ राहुल गांधी और अखिलेश यादव का ही था। दोनों नेता तब साथ–साथ चुनावी रैलियां और रोड शो भी करते रहे। प्रियंका गांधी भी यूपी के लड़कों के साथ को काफी उत्साह भरी नजर से देख रही थीं। माना जाता है कि तब प्रियंका गांधी वाड्रा ने ही दोनों दलों के बीच चुनावी गठबंधन कराया था और ऐसा करने के लिए उनको डिंपल यादव की भी थोड़ी मदद लेनी पड़ी थी। फिर डिंपल यादव ने अखिलेश यादव को और प्रियंका गांधी ने राहुल गांधी को गठबंधन के लिए मना लिया था। कांग्रेस ने मोलभाव करके काफी सीटें ले लीं, लेकिन नतीजे आये तो बुरी तरह लुढ़क गई। अखिलेश यादव सत्ता में वापसी की कोशिश कर रहे थे और उनको बड़ी उम्मीद थी कि उनकी साइकिल पर कांग्रेस का हाथ लग जाये तो वो आसानी से रफ्तार पकड़ लेगी। चुनाव बाद गठबंधन टूट गया। गठबंधन टूट जाने के कई कारण माने जाते हैं, जिनमें एक कारण ये भी कहा जाता है कि राहुल गांधी, अखिलेश यादव को भाव नहीं दे रहे थे।

वर्ष 2019 के आम चुनाव के लिए अखिलेश यादव ने मायावती के साथ गठबंधन किया और गठबंधन से कांग्रेस को पूरी तरह दूर रखा गया। बस रायबरेली और अमेठी सीट पर कांग्रेस को बख्श दिया गया, फिर भी राहुल गांधी की हार के साथ कांग्रेस को अमेठी सीट गंवानी पड़ी थी। इंडिया गठबंधन के विपक्षी दलों की अब तक तीन बैठकें हो चुकी हैं। इन बैठकों में सिर्फ भाजपा के खिलाफ हुंकार भरने से ज्यादा प्रगति नहीं हो सकी। भाजपा इंडिया के विपक्षी दलों के खिलाफ किसी तरह का मुद्दा हाथ से नहीं जाने दे रही है। मुद्दा चाहे भ्रष्टाचार का हो या फिर दूसरे क्षेत्रीय–राष्ट्रीय चुनावी महत्व का। विधानसभा चुनाव से विपक्षी दलों की सूरत नजर आने लगी है। इस बिगड़ी हुई सूरत को संवार भाजपा को उसी हालत में चुनौती दी जा सकती है, जब क्षेत्रीय दल अपने निहित राजनीतिक स्वार्थों से ऊपर उठकर एकता की कवायद करेंगे।

रफ्तार के हादसे

शायद ही कोई दिन ऐसा जाता होगा जब हम अखबारों में बड़े भीषण सड़क हादसों की खबरें न पढ़ते हों। हर साल डेढ़ लाख से अधिक निर्दोष लोग इन दुर्घटनाओं में मारे जाते हैं जो किसी परिवार की उम्मीद होते हैं। किसी घर की अर्थव्यवस्था की धुरी होते हैं। दरअसल, यह एक मौत नहीं होती, परिवार के कई लोग जीते–जी मर जाते हैं। परिवार के कुछ लोग जीवन पर्यंत इन हादसों से नहीं उबर पाते। बुधवार की मध्यरात्रि पंजाब में संगरूर के सुनाम–मैहलां रोड पर एक भीषण दुर्घटना में एक बच्चे समेत छह लोगों की मौत हो गई। प्रदूषण जनित धुंध, टैंकर की गति व कार की ओवरटेक करने की कोशिश में यह भयावह हादसा हुआ। इससे पहले पटियाला में एक हादसे में एक एमबीबीएस के छात्र का सिर धड़ से अलग होने के समाचार ने विचलित किया। परिवहन मंत्रालय की हालिया रिपोर्ट बढ़ते सड़क हादसों की हकीकत बयां करती है। यह बेहद चिंता की बात है कि 2022 में 2021 के मुकाबले सड़क हादसों में बारह फीसदी की वृद्धि हुई है। वहीं मरने वालों का प्रतिशत 9.4 फीसदी बढ़ा है। कितनी दुखद स्थिति है कि हर घंटे 53 दुर्घटनाएं होती हैं और हर घंटे 19 निर्दोष लोग मौत के मुंह में चले जाते हैं। विडंबना यह है कि घायलों की संख्या में भी पंद्रह फीसदी की वृद्धि हुई है। भारत दुनिया में ऐसा देश बनता जा रहा है जहां सबसे ज्यादा सड़क हादसे और मौतें होती हैं। विडंबना यह कि दुर्घटनाओं की मुख्य वजह वाहनों की तेज गति है। जैसे–जैसे बेहतर चौड़ी सड़कें बन रही हैं सड़क हादसों का आंकड़ा भी बढ़ता जा रहा है। यही वजह है कि सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों में भारत दुनिया में अव्वल बनता जा रहा है। दुखद स्थिति यह कि मरने वाले 45 फीसदी लोग दुपहिया वाहन चला रहे थे। जो बताता है कि हमारी सड़कों पर चलना कितना असुरक्षित बनता जा रहा है। कोई भी व्यक्ति राष्ट्र की बहुमूल्य संपत्ति होता है। इन दुर्घटनाओं में मरने वाले अधिकांश लोग हमारी कार्यशील आबादी का हिस्सा होते हैं। परिवहन मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार सड़क दुर्घटनाओं का शिकार होने वाले लोगों में 67 प्रतिशत लोग युवा आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। जिनकी आयु 18 से 45 साल के बीच होती है। इन कामकाजी वर्ग के लोगों की मौत से इनका परिवार भी गहरे आर्थिक संकट में चला जाता है क्योंकि ये परिवार की आय का जरिया होते हैं। पिछले साल घायल होने वालों की संख्या में पंद्रह फीसदी की वृद्धि हमारी चिंता बढ़ाने वाली है। जाहिरा तौर पर इन हादसों के मूल में जहां तेज रफ्तार मुख्य कारण है, वहीं गलत ओवर टेकिंग, हेलमेट न लगाना, सीट बेल्ट न बांधना व रांग साइड चलना भी बड़ी वजह है। वहीं त्रुटिपूर्ण सड़कें, तीव्र मोड़ व सड़कों में गड्ढे भी हादसों की वजह बनते हैं। दरअसल, लगातार हाईवे और एक्सप्रेसवे बनने से वाहनों की रफ्तार खासी तेज हुई है। सरकारों की तरफ से लगातार दावे किये जाते हैं कि अब फलां जगह पहुंचना इतने घंटे कम हुआ। इस जल्दी ने चालकों को अनियंत्रित गति का थ्रिल महसूस करने का भी मौका दिया है। युवा पीढ़ी समय बचाने के लिये भागमभाग में लगी है, यह जाने बिना कि अनियंत्रित गति सड़क हादसों की मूल वजह है। हाईवे–एक्सप्रेसवे तो बन गये हैं लेकिन उस पर चलने का सलीका हमें नहीं आया। सड़कों पर कार, बस, दोपहिया वाहन से लेकर ट्रैक्टर–ट्राली व परंपरागत वाहन भी चलते मिल जाते हैं, जो तेज गति के वाहनों की चपेट में आकर दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं। यात्रियों को तेज रफ्तार वाले सड़क यातायात से साम्य बैठाने का प्रशिक्षण अनिवार्य रूप से दिया जाना चाहिए। देश में स्पीड के जुनून पर भी अंकुश लगाने की जरूरत है क्योंकि अधिकांश हादसों की वजह तेज रफ्तार ही रही है। वक्त के साथ तेज दौड़ने की प्रतिस्पर्धा के परिणाम घातक ही मिलते हैं। एक ओर जहां दुर्घटना मुक्त सड़कें बनाने हेतु सरकारों को विशेष कदम उठाने की जरूरत है, वहीं हर नागरिक को अनिवार्य रूप से यातायात नियमों के लिये प्रशिक्षित करने की जरूरत है।

ट्रेन यात्रा कब होगी सुरक्षित

गहराती रात, तेज गति से पटरियों पर दौड़ती ट्रेन और अचानक तेज आवाज ने सभी को दहला कर रख दिया। जैसे ही चादर तान कर सो रहे ट्रेन यात्रियों को पता चला कि ट्रेन हादसे का शिकार हो गई है तो अफरा–तफरी का माहौल पैदा हो गया। चारों ओर चीख–पुकार मच गई और बाहर घना अंधकार। समाज क्या होता है और मानवता क्या होती है इस बात का अहसास होता है जब गांव के लोग ट्रेन यात्रियों की मदद के लिए पहुंचते हैं। घायल यात्रियों की आंखों में उम्मीद की चमक दिखाई पड़ती है जब लोग उन्हें एम्बुलैंस में चढ़ाने के लिए सहायता करते हैं। लगभग ऐसा ही दृश्य हर ट्रेन दुर्घटना के बाद दिखाई देता है। पिछले कुछ दिनों में तीन ट्रेन हादसे हो चुके हैं। जिनमें कई लोगों की जान गई है और अनेक लोग घायल हुए हैं। बिहार के बक्सर में हुए ट्रेन हादसे में चार लोगों की मौत हुई जबकि 100 से अधिक लोग घायल हुए। आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले में दो ट्रेनों की टक्कर में 14 लोगों की मौत हुई जबकि 40 लोग घायल हो गए। ट्रेनों की पटरियों से उतर जाने की घटनाएं आम हो चली हैं। आंध्र की ट्रेन दुर्घटना सिग्नल की ओवर शूटिंग की वजह से हुई, जिस कारण ट्रेनें आपस में टकरा गईं। सवाल एक बार फिर हमारे सामने है कि आखिर हमारी ट्रेनें कब सुरक्षित होंगी। जून महीने में ओडिशा के बालासोर जिले में तीन ट्रेनों की भीषण टक्कर में 275 लोग मारे गए थे। यह हादसे मानवीय गलती के कारण हुए। इन दुर्घटनाओं में स्वदेशी रूप से विकसित ट्रेन टक्कर बचाव प्रणाली यानि सुरक्षा कवच उपलब्ध नहीं था। बार–बार यह दावे किए जाते हैं कि भविष्य में कोई दुर्घटना नहीं होगी। इसके बावजूद एक के बाद एक हादसों में लोगों की जानें जा रही हैं। रेलवे बोर्ड अब तक रेल यात्रा को सुरक्षित करने के लिए कुछ खास नहीं कर पाया है। कवच भारत में बनाया गया स्टेट ऑफ दी आर्ट इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम है। इसका लक्ष्य है कि भारतीय रेलवे में शून्य फीसदी ट्रेन दुर्घटना हो । ये ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम है। अगर एक ही पटरी पर दो ट्रेनें आमने–सामने से आ रही हैं और अगर ट्रेन में कवच सिस्टम लगा हुआ है तो ट्रेन में ऑटोमैटिक ब्रेक लग जाएंगे। सभंव है कि लोको पायलट को यह काफी देर से पता चले तो इसमें कवच सिस्टम काफी मददगार साबित हो सकता है। बता दें भारतीय रेलवे ने 2022 में कवच सिस्टम को लॉन्च किया था। पिछले साल मार्च में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसका ट्रायल किया था। रेलवे की कार्यप्रणाली को प्रभावित करने वाले गहरे और पुराने मुद्दों का विश्लेषण किया जाना चाहिए। ऐसा विचार है कि सिग्नलिंग और दूरसंचार नेटवर्क के उन्नयन के साथ–साथ मानव संसाधन विकास को महत्व नहीं दिया गया है। परिचालन सुरक्षा से संबंधित पदों के लिए अप्रैल 2022 से जून 2023 के बीच लगभग 1.12 लाख उम्मीदवारों के पैनल में शामिल होने के बाद भी, 1 जुलाई 2023 तक लगभग 53,180 पद अभी भी खाली थे। लगभग 11, 100 स्तर की इंटरलॉकिंग जैसे उपाय किए गए हैं। क्रॉसिंग गेट (31 मई, 2023 तक), मानवीय त्रुटियों को कम करने के लिए ट्रैक मशीनों द्वारा ट्रैक बिछाने की गतिविधि का मशीनीकरण, मानवीय विफलता के कारण दुर्घटनाओं को खत्म करने के लिए 6,427 स्टेशनों पर बिंदुओं और सिग्नलों के केंद्रीकृत संचालन के साथ विद्युत या इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली का प्रावधान और रेलवे प्रणाली के कामकाज, विशेषकर सुरक्षा में सुधार के लिए महत्वपूर्ण सुरक्षा परिसंपत्तियों के प्रतिस्थापन, नवीनीकरण और उन्नयन के लिए राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष का कार्यान्वयन। लेकिन जब लोगों की जान जाती रहेगी तो इन कदमों का कोई मतलब नहीं रह जाएगा। ऐसी दुर्घटना होने पर कम से कम मंडल स्तर पर ही वरिष्ठ रेलवे प्रबंधन की जवाबदेही होनी चाहिए। हर ट्रेन में हर मिनट के संचार को पकड़ने वाली तकनीक स्थापित करने के अलावा सरकार को यह देखना चाहिए कि रेलवे बोर्ड के सदस्यों को रेलवे प्रणाली के बाहर के पेशेवरों और टेक्नोक्रेटों के समूह से चुना जाए। समय–समय पर विशेषज्ञ इस ओर इशारा करते रहे हैं कि ट्रैक पर भारी ट्रैफिक है और आधारभूत ढांचा उसके अनुरूप नहीं है। पटरियां कमजोर पड़ रही हैं। आज भले ही हम तेज रफ्तार की गाड़ियां चला रहे हैं। बुलेट ट्रेन के सपने देख रहे हैं लेकिन यह तथ्य छिपा नहीं है कि देशभर में पटरियां अपनी क्षमता खो चुकी हैं और उन पर कई गुणा बोझ है। ऐसा नहीं है कि रेलवे का आधुनिकीकरण नहीं हुआ है लेकिन हादसों के मामले में तस्वीर नहीं बदली है। यह रेलवे की जिम्मेदारी है कि वह रेल यात्रा सुरक्षित बनाए। हर साल करोड़ों का मुआवजा देने की बजाय सुरक्षा प्रणाली पर अधिक ध्यान दें। आवश्यक सुधार तो उसे करने ही होंगे।

वायु प्रदूषण की असली 'जड़'

आजकल दिल्ली व मुम्बई समेत देश के कुछ महानगरों में और उनकी निकाय के उप शहरों में वायु प्रदूषण को लेकर जो कोहराम मचा हुआ है, उसके मूल कारणों की तरफ ध्यान दिये बिना इस समस्या का निवारण संभव नहीं है। शहरों के प्रदूषण के लिए गांवों के किसानों को जिम्मेदार ठहराने की जो मानसिकता दल–गत राजनीति की वजह से विकसित हुई है, उसका हल भी ढूंढना होगा। दिल्ली से लगे राज्यों पंजाब, हरियाणा या उत्तर प्रदेश के गांवों के खेतीहर किसानों ने पिछले आठ–दस वर्षों से ही पुराल या पराली जलानी शुरू नहीं की है बल्कि वे सदियों से यह काम करते आ रहे हैं। पराली से उठने वाला धुआं शहरों के वायुमंडल में आकर क्यों ठहरने लगा है? इसका कारण भी तो हमें जानना होगा। इसका मूल कारण शहरों का अन्धाधुंध व बेतरतीब विकास और इन्हें कंक्रीट के जंगल में तब्दील करना है। दिल्ली की भाजपा बनाम कांग्रेस राजनीति ने इस समस्या को इस कदर भयावह बनाया कि अब इस शहर में आबादी का विस्फोट हो चुका है। दिल्ली की आबादी अब सवा दो करोड़ के करीब पहुंच चुकी है। इसकी मुख्य वजह दिल्ली को मुख्य पूंजी केन्द्र व रोजगार परक बनाना है। हमने विकास की जिस प्रक्रिया को आजादी के बाद अपनाया था उसका केन्द्र केवल बड़े–बड़े शहर नहीं थे। प्रथम प्रधानमन्त्री पं. जवाहर लाल नेहरू का प्रयास था कि भारत का विकास चहुंमुखी व सभी दिशाओं में हो। इसीलिए उन्होंने पहला भिलाई इस्पात संयन्त्र तत्कालीन संयुक्त मध्य प्रदेश के छोटे से नगर दुर्ग के पास खाली पड़ी जमीन भिलाई पर लगाया और पं. बंगाल के दुर्गापुर जैसे सामान्य इलाके में स्थापित किया। आर्थिक व औद्योगिक विकास को राष्ट्रीय विकास से जोड़ने की जो दूरदृष्टि नेहरू में थी उसी का प्रभाव था कि उन्होंने दिल्ली, मुम्बई, कोलकाता व चेन्नई जैसे बड़े शहरों में कोई नये बड़े उद्योग स्थापित नहीं किये बल्कि इन शहरों से जुड़ने वाले निर्जन समझे जाने वाले इलाकों को बड़े उद्योगों के लिए चुना गया। नेहरू के विकास मॉडल के प्रभाव से देश में छोटे व मंझोले उद्योगों का जो विकास हुआ उनका केन्द्र कालान्तर में ये बड़े–बड़े शहर बनते गये जिनका विरोध अपने जीवित रहते समाजवादी चिन्तक व जन नेता डा. राम मनोहर लोहिया ने किया। उनका नारा था कि औद्योगीकरण की दिशा गांवों से शहरों की तरफ नहीं बल्कि शहरों से गांवों की तरफ होनी चाहिए जिससे भारत का न केवल औद्योगिक विकास हो बल्कि सामाजिक विकास भी हो क्योंकि औद्योगिकरण सामाजिक पिछड़ेपन व दकियानूसी मानसिकता पर भी गहरी चोट करता है। यही वजह है कि हम आज भारत में दो तरह के देश देखते हैं। एक भारत वह जो शहरों में रहता है और अपनी पूंजी की ताकत से गांवों को रिझाता है और दूसरा भारत वह जो गांवों में रहता है और अपनी विपन्नता की वजह से कथित विकास को मुंह चिढ़ाता है। इसके साथ यह भी कड़वी हकीकत है कि हमने बड़े–बड़े महानगरों का विकास गांवों की कीमत पर ही किया है। शहरों के समीप बसे गांवों को उजाड़ कर इन शहरों का विस्तार जिस तरीके से किया गया उससे शहरी विकास की वह विद्रूपता सामने आयी जिसे झुग्गी–झोपड़ी कालोनी या अनियमित कालोनी कहा जाता है। दिल्ली मास्टर प्लान के नाम पर इस महानगर में छोटी व मंझोली औद्योगिक इकाइयों को स्थापित किया गया और दिल्ली की आबादी को लगातार बढ़ाया गया। जरा सोचिये जब 1967 के आसपास दिल्ली की आबादी केवल 50 लाख के करीब थी तो तभी इसमें जन सुविधाओं का भारी अभाव था। 1965 के करीब ही दिल्ली में बहने वाली जमुना नदी किसी गन्दे नाले का स्वरूप ले चुकी थी। मगर इसके बावजूद बाद के वर्षों में हमने दिल्ली के विकास के ढांचे को बदलने की तरफ ध्यान नहीं दिया। हमने पहले दिल्ली परिवहन संस्थान को दिल्ली परिवहन निगम में बदला और उसके बाद कि.मी. स्कीम चला कर निजी बसों की संख्या बढ़ाई और मुनाफे का बाजार गर्म किया। इसके बाद हमने मेट्रो चलाई और पूरी दिल्ली को खोद डाला। यह सब इसी वजह से हुआ कि राजधानी में वोटों की राजनीति के चलते राजनैतिक दलों ने इसके विकास की सीमाओं को ताक पर रख कर केवल अपना हित देखा। 80 के दशक में जब कांग्रेस के नेता और स्वतन्त्रता सेनानी जगप्रवेश चन्द्र मुख्य कार्यकारी पार्षद थे तो उन्होंने एक बहुत गंभीर चेतावनी दी थी कि यदि दिल्ली की बढ़ती आबादी को न रोका गया तो एक दिन ऐसा आ सकता है कि मेहनत–मजदूरी करने वाले लोग रात्रि विश्राम के लिए बड़े–बड़े मकानों के सेहनों को अपना रात्रि बसेरा बनायें और सुबह होते ही काम पर निकल जायें। मगर इसका तोड़ हमने नोएडा को बसा कर निकाल लिया। 1967 में नोएडा की परिकल्पना उत्तर प्रदेश के मुख्यमन्त्री स्व. चन्द्रभानु गुप्ता ने इसे एक फिल्म सिटी बनाने के रूप में की थी और इसका उद्घाटन प्रसिद्ध सिने अभिनेता स्व. सुनील दत्त से कराया था। परन्तु बाद में नारायण दत्त तिवारी ने इसे एक औद्योगिक व रिहायशी नगरी में बदल दिया और मुलायम सिंह मायावती ने इसे कंक्रीट का जंगल बनाने में पूरा योगदान दिया। बल्कि इसके समीप ही ग्रेटर नोएडा भी विकसित करके इसकी हालत भी नोएडा जैसी कर डाली। बाद में आर्थिक उदारीकरण और बाजार मूलक अर्थव्यवस्था ने इन शहरों को ही अपना अड्डा बना लिया। परिणाम यह हुआ कि चाहे गुड़गांव हो या अन्य आसपास के इलाके पूंजी केन्द्र व आबादी केन्द्र बनते गये। सकल पर्यावरण प्रदूषण का इससे गहरा लेना देना है। लगातार निर्माण कार्यों का चलते रहना और औद्योगिक इकाइयों व बढ़ते वाहनों से होने वाले प्रदूषण को आखिरकार वातावरण किस तरह अपने में जज्ब नहीं करेगा और हम दोष मेहनती किसानों पर मढेंगे तो समस्या का हल कभी नहीं मिलेगा। पराली की राख किसानों की जमीन की उपजाऊ क्षमता को बरकरार रखने में सहायक होती है। मगर हमने तो विकास की अंधी दौड़ में शामिल होना ठान रखा है और अपने जल, जंगल और जमीन की कीमत पर ठान रखा है तो इसका उपाय कैसे निकलेगा? इस गूढ़ विषय पर आप जरा सोच कर देखिये।

एफपीआई ने नवंबर के तीन कारोबारी सत्रों में शेयरों से 3,400 करोड़ रूपये निकाले

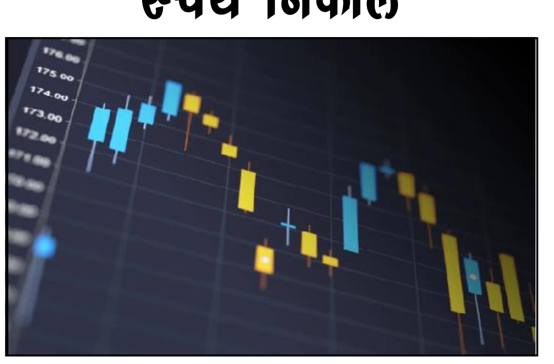

नयी दिल्ली। भारतीय शेयर बाजारों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की बिकवाली का सिलसिला नवंबर में भी जारी है। पश्चिम–एशिया में तनाव तथा बढ़ती ब्याज दरों के बीच एफपीआई ने नवंबर के पहले तीन कारोबारी सत्रों में भारतीय शेयर बाजारों से 3,400 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की है। इससे पहले एफपीआई ने अक्टूबर में भारतीय शेयर बाजारों से 24,548 करोड़ रुपये और सितंबर में 14,767 करोड़ रुपये निकाले थे।

एफपीआई मार्च से अगस्त तक इससे पिछले छह माह के दौरान लगातार शुद्ध लिवाल रहे थे। इस दौरान उन्होंने शेयर बाजारों में 1.74 लाख करोड़ रुपये डाले थे। हालांकि, आगे चलकर एफपीआई का बिकवाली का सिलसिला थम सकता है, क्योंकि अमेरिकी केंद्रीय बैंक के नरम रुख की वजह से बॉन्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी थमी है। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा, ''फेडरल रिजर्व के प्रमुख जेरोम पावेल की नरम टिप्पणी के बाद बॉन्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी का रुख पलट गया है। बाजार ने उनकी इस टिप्पणी की व्याख्या ब्याज दरों में बढ़ोतरी के सिलसिले पर रोक के रूप में की है।''

डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने एक से तीन नवंबर के दौरान 3,412 करोड़ रुपये के शेयर बेचे हैं। सितंबर की शुरुआत से एफपीआई लगातार बिकवाल बने हुए हैं। मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक एवं प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, ''इजराइल–हमास संघर्ष और अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी की वजह से एफपीआई बिकवाल रहे हैं।''

विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा परिदृश्य में एफपीआई निवेश के अधिक सुरक्षित विकल्प सोने और अमेरिकी डॉलर की ओर रुख कर सकते हैं। समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड बाजार में 1,984 करोड़ रुपये डाले हैं। इससे पहले अक्टूबर में एफपीआई ने बॉन्ड बाजार में 6,381 करोड़ रुपये डाले थे। इस तरह चालू साल में शेयरों में एफपीआई का निवेश अबतक 92,560 करोड़ रुपये रहा है। वहीं बॉन्ड बाजार में उनका निवेश 34,485 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है।

मराठा आरक्षण आंदोलन: किसको फायदा, किसको नुकसान

बात महाराष्ट्र से शुरू करता हूँ। हर मामले में आगे माने जाने वाले महाराष्ट्र में इन दिनों मराठा आरक्षण को लेकर आग लगी हुई है। लोगों के घर जलाये जा रहे है। सार्वजनिक सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाया जा रहा है और सरकार मूकदर्शक बनकर खड़ी हुई है। किसी की समझ में नहीं आ रहा की इस आंदोलन के अचानक उग्र होने के पीछे कौन है और सरकार का इस आंदोलन को लेकर रवैया क्या है? मराठा आरक्षण आंदोलन से आखिर किसका फायदा और किसका नुकसान होने वाला है। महाराष्ट्र अनेक समाज सुधारकों, बुद्धिजीवियों, योद्धाओं के लिए जाना जाता है। इतिहास में महाराज शिवाजी, से लेकर डॉ. भीमराव आंबेडकर, ज्योति बा फुले तक यहीं से आते हैं ,लेकिन यहीं अब आरक्षण को लेकर आग लगी है और आग तब लगी है जब महाराष्ट्र में डबल इंजन की सरकार है। जाहिर है या तो सरकार नाकाम साबित हो रही है या फिर सरकार का इस आंदोलन को परोक्ष समर्थन है।

महाराष्ट्र की राजनीति आजकल तोड़फोड़ की राजनीति है। सत्तारूढ़ भाजपा ने सत्ता में बने रहने के लिए पहले शिवसेना को तोड़ा और बाद में एनसीपी को और जो ईंट–रोड़े मिले उसने अपना सरकारी घर बना लिया। लेकिन ये ईंट–रोड़े कब कमजोर साबित हो जायेंगे, ये महाराष्ट्र में कोई नहीं जानता। भाजपा को येन–केन महाराष्ट्र में अपनी सरकार चाहिए। महाराष्ट्र में पहले जिस शिवसेना के मुख्यमंत्री के नेतृत्व में महाराष्ट्र अगाडी गठबंधन की सरकार चल रही थी वो भी ईंट और रोड़े की ही सरकार थी। उसमें भी कांग्रेस और कांग्रेस से अलग एनसीपी के अलावा भाजपा की अनन्य सहयोगी रही शिवसेना थी। मराठा आरक्षण आंदोलन तब भी था लेकिन आज की तरह उग्र नहीं था। आज इस आंदोलन को कोई तो है जो परदे के पीछे से ताकत दे रहा है। कोशिश कर रहा है कि महाराष्ट्र की राजनीति में बवाल हो। महाराष्ट्र में मराठा अगड़े हैं या पिछड़े ये सब जानते है। उनकी माली दशा कैसी है ये भी किसी से छिपी नहीं है। सत्ता में मराठाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले लोग भी जाने–पहचाने हैं, इन सबके रहते आरक्षण का मुद्दा अब तक जिंदा क्यों है, इसकी समीक्षा की जाना चाहिए। सवाल ये है कि अपने आपको मराठा कहने वाले महाराष्ट्र के तमाम नेता इस मुद्दे पर अपना रुख साफ क्यों नहीं करते, क्यों अपने समाज को बिखरते देख रहे हैं? महाराष्ट्र की मौजूदा सरकार में भी मराठा है, उसके पहले की सरकार में भी में थे और जब सूबे में अकेले कांग्रेस की सरकार होती थी तब भी मराठा सत्ता में सर्वोपरि थे, तब मराठों को आरक्षण देने की मांग इतनी बलवती क्यों नहीं थी? अब क्यों है? मुझे ये कहने में कोई संकोच नहीं है कि मराठा आरक्षण आंदोलन अवसरवादी आंदोलन है। देश के दूसरे हिस्सों में भी इसी तरह के आंदोलन होते रहे है। कभी जाटों के,कभी गुर्जरों के। सभी राज्यों में तत्कालीन सरकारों ने आरक्षण के इस मुद्दे को केंद्र के पाले में डाल रखा है। आरक्षण की तमाम मांगों के संदर्भ में सरकारें और राजनीतिक दल सुप्रीम कोर्ट में मामलों को लटकाये बैठे हैं। निर्णय लेने की हिम्मत किसी में नहीं है। न न्यायपालिका में और न संसद में। इस मुद्दे को लेकर चाहे राजनीतिक दल हों या आरएसएस जैसे संगठन हमेशा रंग बदलते रहते हैं। कभी आरक्षण का समर्थन करते हैं तो कभी विरोध। जातीय समूह इस हकीकत को समझे बिना राजनीति के हाथों का खिलौना बने हुए हैं महाराष्ट्र में भी और दूसरे राज्यों में भी। आरक्षण की मांग कब पिटारी में बंद हो जाती है और कब बाहर आ जाती है खुद मांग करने वालों को पता नहीं चलता। महाराष्ट्र पर वापस लौटते हैं। मराठा आरक्षण आंदोलन की उग्रता के पीछे कभी–कभी मुझे जातीय जनगणना का ताजातरीन मुद्दा भी दिखाई देता है। बिहार सरकार ने ये मुद्दा पैदा किया है और कांग्रेस इस मुद्दे को ले उड़ी है। कांग्रेस ने घोषणा कर दी है कि देश में जिन राज्यों में कांग्रेस की सरकारें हैं या आगे बनेंगी इन राज्यों में जातीय जनगणना कराई जाएगी। जातीय जनगणना के मुद्दे पर भाजपा भ्रमित है। भाजपा इस मुद्दे को समाज के लिए विभाजनकारी मानती है लेकिन आरक्षण के मुद्दे पर फिर गुलाटी मार जाती है। इस मुद्दे पर भाजपा महाराष्ट्र में भी उलझ गयी है और महाराष्ट्र के बाहर पूरे राष्ट्र में भी। जातीय जनगणना के मुद्दे के सामने राम मंदिर में रामलला की प्राण–प्रतिष्ठा का महकदार धुंआ भी असर करने वाला नहीं है। भाजपा के पास राम नाम लेने के अलावा और कोई मुद्दा है भी नहीं। भाजपा के तरकस के तमाम तीर निकल चुके हैं यानी इस्तेमाल किये जा चुके हैं। मुमकिन है कि आरएसएस और भाजपा की प्रयोगशाला से मराठा आरक्षण और जातीय जनगणना जैसे ज्वलंत मुद्दों की काट के लिए कोई नया मुददा बनाया जा रहा हो! लेकिन फिलहाल महाराष्ट्र को धधकती आग से बचाने का मुद्दा सबसे बड़ा मुद्दा है। यदि ये आग और फैली तो तय मानिये की देश का एक समृद्ध राज्य भी बर्बाद हो जाएग। आइये राष्ट्र को बचाएं, महाराष्ट्र को बचाएं, आग को फैलने से रोकें।

वाराणसी में मुंशी प्रेमचन्द्र के गांव लमही को बनाया जायेगा संग्रहालय : जयवीर

पर्यटन विभाग ने १० करोड़ रुपये का भेजा प्रस्ताव

लखनऊ। महान उपन्यासकार मुंशी प्रेमचन्द्र के वाराणसी स्थित पैतृक गांव लमही को संग्रहालय का रूप दिया जायेगा। इसके लिये 10 करोड़ रूपये का प्रस्ताव तैयार कर शासन की अनुमति के लिये भेजा गया है। इसकी स्वीकृति मिलते ही संग्रहालय के निर्माण का कार्य शुरू करा दिया जायेगा। संग्रहालय के कई भाग होंगे जिसमें वर्चुअल म्यूजियम के अलावा गृहस्थी के समान तथा उनकी स्मृतियों से जुड़ी हुई अन्य सामग्री रखी जायेगी। इस संग्रहालय के माध्यम से उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचन्द्र के प्रशन्सकों को उनके जीवन से जुड़ने का अवसर प्राप्त होगा। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि मुंशी प्रेमचन्द्र ने अपनी लेखनी के माध्यम से समाज की विडम्बनओं का चित्रण किया। उनकी रचना में समाज का वास्तविक चेहरा उभर कर आता है। सामाजिक कुरीतियों के प्रति जन चेतना जगाई। वास्तव में कहा जाये तो उन्होने समाज में व्याप्त तमाम विकृतियों को अपनी रचना में जहाँ एक ओर रेखांकित किया। दूसरी ओर उनके समाधान का तरीका बताया। कालजयी लेखक के सम्पूर्ण जीवन के घटनाक्रम को इस संग्रहालय में स्थान प्राप्त होगा। आज की नयी पीढ़ी मुंशी प्रेमचन्द्र को करीब से जान सकेगी। पर्यटन मंत्री ने बताया कि वर्तमान समय में उपन्यासकार मुंशी प्रेमचंद का गांव लमही पर्यटन स्थल हैं। कुछ साहित्य प्रेमी तो उनके पैतृक आवास को एक मंदिर मानते हैं,वहां तीन भवन हैं। एक भवन का हाल में ही निर्माण हुआ है। इसमें पर्यटन विभाग वर्चुअल म्यूजियम बनाएगा। यहां लोगों को आनलाइन उपन्यास सम्राट की किताबें, तस्वीर व उनके जुड़े अन्य संग्रह देखने–पढ़ने के लिए उपलब्ध होंगी। दूसरा भवन वह है जहां मुंशी प्रेमचंद रहते थे। यहां उनकी गृहस्थी से जुड़ी लगभग सभी वस्तुओं का संग्रह किया जायेगा। चाहे वह चारपाई हो या बिस्तर, चूल्हा–चौका हो या बर्तन। इसके लिए शोध भी कराया जाएगा। तीसरा स्थान, जहां स्मारक बना है और लमही महोत्सव का आयोजन होता है। वहां लैंडस्केप आदि बनाए जाएंगे। पर्यटन विभाग संग्रहालय के साथ–साथ पर्यटकों के लिए बुनियादी सुविधाएं भी विकसित करेगा। लोगों प्रस्ताव के मुताबिक पाथवे, बेंच, लाइटिंग आदि का निर्माण किया जाएगा। उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद्र के गांव लमही में संग्रहालय बनने से युवाओं को प्रेरणा मिलेगी। उनके प्रशंसक एक साधारण शिक्षक से महान साहित्यकार बनने तक की यात्रा को जान सकेंगे। पर्यटकों के लिए पसंदीदा स्थल है। संग्रहालय के साथ बुनियादी सुविधाएं विकसित होंगी। पर्यटन विभाग महापुरूषों, लेखकों, साहित्यकारों से जुड़ें स्थलों को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने पर गम्भीरता से विचार कर रहे है।

यादव के अलावा किसी ओबीसी को सीएम कभी नहीं बनायेंगे अखिलेश : अनुप्रिया पटेल

एनडीए सरकार ही करायेगी जातिवार जनगणना

लखनऊ,(यूएनएस)। अपना दल एस की राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय वाणिज्य उद्योग राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने आज शनिवार को कहा कि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार देश में जातिवार गणना कराएगी और ओबीसी क्रीमीलेयर का दायरा भी बढ़ाएगी। केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने आज अपना दल एस के स्थापना दिवस के मौके पर मीडिया से मुखातिब थी। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पिछड़ा वर्ग मंत्रालय बनाने की हमारी मांग पूरी होगी, मुझे भरोसा है। उन्होंने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का अपना दल से प्रेम नया–नया है। सोनेलाल पटेल के जीवित रहते उनकी पार्टी ने कभी उनका सम्मान नहीं किया। 2002 में अपना दल के तीन विधायकों को सपा ने तोड़ा था। उन्होंने अपनी बहन पल्लवी पटेल का बिना नाम लिए कहा कि उन्हें अखिलेश ने सपा के सिंबल पर चुनाव लड़ाया। उन्होंने कहा कि अगर कभी सपा की सरकार बनती है तो क्या अखिलेश कभी यादव के अलावा अन्य किसी ओबीसी को मुख्यमंत्री बनाएंगे। सत्ता में रहते सपा ने कभी जातिवार गणना नहीं कराई, सिर्फ चुनावी लाभ के लिए शिफूगा छोड़ा है। अनुप्रिया पटेल ने कहा कि अपना दल एस को एनडीए में पूरा सम्मान मिला और हम भी उनकी उम्मीदों पर पूरी तरह खरे उतरे हैं। उन्होंने कहा,नीट में ओबीसी आरक्षण देना हो या प्रतापगढ़ में सोनेलाल पटेल के नाम पर मेडिकल कालेज बनवाना हो, सोनेलाल पटेल के मिशन को हम पूरा कर रहे हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के फूलपुर से चुनाव लड़ने के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सभी को स्वतंत्रता है कि वह चाहे जहां से चुनाव लड़े। दूसरी ओर प्रदेश सरकार के प्राविधिक शिक्षा मंत्री और अपना दल एस के कार्यकारी अध्यक्ष आशीष पटेल ने वाराणसी से पल्लवी पटेल के चुनाव लड़ने के सवाल पर कहा कि प्रधानमंत्री अबकी एक लाख और अधिक वोट से जीतेंगे।

पर्यावरण अनुकुलन विसर्जन चुनौतियाँ एवं संभावनायें‘‘ विषय पर संगोष्ठी

लखनऊ। नवयुग कन्या महाविद्यालय की पर्यावरण संरक्षण एवं पुनस्थापना समिति, एन0एस0एस0 एवं मंगलमान अभिमान के संयुक्त तत्वाधान में ‘‘पर्यावरण अनुकुलन विसर्जन चुनौतियाँ एवं संभावनायें‘‘ विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया कार्यकम के मुख्य अतिथि ई.गणेश ताम्रकार जी, अध्यक्ष मंगलमान, पूर्व अध्यक्ष संस्कार भारती, उत्तर प्रदेश, संदीप बंसल राष्ट्रीय अध्यक्ष, अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल, नानक चन्द्र लखमानी उपाध्यक्ष, उ0प्र0 सिंधी अकादमी, पूर्व राज्य मंत्री डॉ0 कीर्ति नेहा स्वास्थ शिक्षा अधिकरी लखनऊ प्रो0 मंजुला उपाध्याय प्राचार्या नवयुग कन्या महाविद्यालय, प्रशांत भाटिया संपर्क विभाग राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ, डॉ0 मनोज पाण्डेय अध्यक्ष लुआक्टा उपस्थिति रहें। कार्यकम की षुरूवात दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के पश्चात हनुमान चालिसा का प्रस्तुति करण सभी अतिथि शिक्षिकाओं और छात्राओं के द्वारा अतिसुन्दर प्रस्तुति करण कराया गया उसके तत्पश्चात सभी अतिथि महोदय को पौधा देकर सम्मानित किया गया सभी अतिथियों को प्राचार्या ने पौध देकर सम्मानित किया प्राचार्या ने मंगलमान कार्यकम का आयोजन किया। और पूरी टीम का स्वागत किया। इस कार्यकम का संचालन डॉ0 कीर्ति नेहा द्वारा किया गया। जिन्हाने ने सभी अतिथियों का हार्दिक स्वागत किया और अभिनन्दन किया जिसका आज मुख्य विशय यह है की मूर्ति विसर्जन किस तरह से करना चाहिए और उसकी जानकारी देकर छात्राओं का ज्ञानवर्धन बढ़ाने के साथ पर्यावरण को कैसे सही रखा जए इसकी जानकारी दी और इसी के साथ यह बताया की हर दिन मंगलमान और विश्वव्यायी के साथ साथ पर्यावरण अनुकुलन कैसे किया जाय और पूरे आदर भाव से मूर्तियों का विसर्जन सही स्थान पर विसर्जित किया जाए। और सभी छात्राओं को संदेश ये दिया गया की मंगलयान अभियान को सोशल मिडिया के सहारे संदेश भेजकर सभी को जागरूक बनाना है और अभीयान को सफल बनाना है। मंगलयान कार्यकम के दौरान प्राचार्या जी ने सभी छात्राओं को पुरस्कृत किया। जिसके तत्पश्चात कार्यकम का समापन किया और धन्यवाद ज्ञापन पर्यावरण समिति के सदस्य और अतिथियों और शिक्षिकाओं, धन्यवाद ज्ञापन सम्पन्न हुआ।

दुष्कर्म पीड़िता की 5 महीने में दर्ज नहीं हुई एफआईआर, डीएम कार्यालय पर अनशन करेगी

बस्ती। बस्ती नगर थाना क्षेत्र की महिला ने गांव के ही युवक पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। पीड़िता ने कहा कि पुलिस दोषी को बचाने के लिए हल्की धाराओं में उसका चालान कर दिया। पीड़िता ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि दोषी युवक पर सख्त कार्रवाई नहीं की गई तो वह डीएम कार्यालय पर अनशन पर बैठेगी। तहसील दिवस में प्रार्थना पत्र लेकर पहुंची पीड़िता न बताया कि उसका पति बाहर मजदूरी करता है। वह अपने चार वर्ष के बच्चे के साथ रहती है। बीते चार जून की रात्रि लगभग 11.30 बजे वह अपने छप्पर में सो रही थी। तभी गांव का युवक आया और कहा कि मेरी भाभी की तबीयत खराब है। दो हजार रूपए दे दो। मैं जैसे ही रूपए निकालने के लिए भीतर दाखिल हुई आरोपी ने धारदार चाकू निकाल लिया और चाकू के बल पर दुष्कर्म किया। आरोपी युवक दूसरे समुदाय का है और वह कह रहा था कि उसे काटने में दया नहीं लगेगी। उसने चार वर्ष के बच्चे को भी मारने की धमकी दी है। पीड़िता ने बताया कि घटना के दूसरे दिन वह नगर थाने पर शिकायत लेकर पहुंची, लेकिन पुलिस ने मामूली धाराओं में युवक का चालान कर दिया, जिसके चलते वह काफी आहत है और अब कलेक्ट्रेट पर अनशन करेगी। एसओ नगर संतोष कुमार ने कहा कि उनके मामला उनके संज्ञान में नहीं है। पीड़िता यदि थाने पर आएगी तो विधिक कार्रवाई की जाएगी।

लोकसभा चुनावः अनुप्रिया पटेल की चाहत दो से ज्यादा लोकसभा सीटे

अयोध्या में अपनादल एस ने मनाया स्थापना दिवस

लखनऊ, (यूएनएस)। अपनादल एस की ख्वाहिश एनडीए में अपनी भागीदारी बढ़ाने की है। यूपी में अपना दल एस की विधायक संख्या के मुताबिक तीसरे बड़े दल की है। पार्टी शक्ति संतुलन के मामले में यूपी की राजनीति में भाजपा और सपा के बाद तीसरे नंबर पर और बसपा व कांग्रेस से आगे है। कुर्मी वोट बैंक के सहारे लोकसभा की दो से अधिक सीटों पर दावेदार के रूप में दल की राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल की नजर है। अनुप्रिया ने इस दिशा में अपने कदम बढ़ा दिए हैं।एनडीए के मुख घटक भाजपा को संदेश देने के साथ महत्वाकांक्षा को जमीन पर उतारने के लिए उन्होंने उसी सरजमीं का चयन किया जो भाजपा के लिए सत्ता की धुरी रही है। अनुप्रिया पार्टी के स्थापना दिवस का मुख्य समारोह पहली बार अयोध्या में हुआ हैं। इस आयोजन के माध्यम से मकसद ताकत प्रदर्शन है। प्रदेश स्तरीय पदाधिकारियों को इसमें शामिल होने का निर्देश दिया गया था। अयोध्या मंडल के पांचों जिलों के कार्यकर्ताओं को भी बुलाया गया।अपना दल के लोग कहते हैं कि अपना दल एस प्रदेश में तीसरा सबसे बड़ी दल है। उनके पास बसपा और कांग्रेस से ज्यादा विधायक हैं। सांसदों के लिहाज से 2019 के लोकसभा चुनाव में पार्टी ने कांग्रेस को पीछे छोड़ दिया था। यूपी में अपना दल एस के दो सांसद, 13 विधायक, एक एमएलसी, एक जिला पंचायत अध्यक्ष, दो दर्जन से अधिक ब्लाक प्रमुख और 50 से ज्यादा की संख्या में निर्वाचित जिला पंचायत सदस्य हैं। अयोध्या में भी अपना दल एस खुद को मजबूत मानता है। यहां उसके सहयोग से गोसाईंगंज सीट पर बाहुबली इंद्र प्रताप तिवारी उर्फ खब्बू तिवारी विधायक चुने गए थे। गोसाईंगज के साथ बीकापुर व अयोध्या विधानसभा सीट पर कुर्मी मतदाता प्रभावी भूमिका निभाते हैं। यदि पूरे जिले की बात करें तो कुर्मी मतदाताओं की संख्या करीब सात फीसदी है जो निर्णायक भूमिका निभाती है।

शेफ विकास खन्ना और घरेलू रसोइया निधि और नम्बी लखनऊ में मास्टरशेफ इंडिया को बढ़ावा देने के लिए एक साथ आए

लखनऊ। मास्टरशेफ इंडिया ने देश में पाककला का अगला जीनियस खोजने के लिये धड़कनों को बढ़ा देने वाली प्रतियोगिता शुरू कर दी है। इसी के साथ, अब पूरे माहौल में कडाही की

आवाज और मसालों की सुगंध फैल चुकी है। मंच पर घरेलू रसोइये अपनी पाक कला का प्रदर्शन कर रहे हैं और सर्वश्रेष्ठ मास्टरशेफ के रूप में उभरने के लिए सामान्य मानकों को चुनौती दे रहे हैं। सोनी लिव पर सोमवार से शुक्रवार रात्रि आठ बजे प्रसारित होने वाले इस शो को प्रमोट करने के लिए आज शेफ विकास खन्ना घरेलू रसोइया निधि शर्मा और नंबी जेसिका एस मारक के साथ लखनऊ में मौजूद थे। सोलन, हिमाचल प्रदेश की 35 वर्षीय निधि शर्मा, यूको बैंक में लंबे समय से चले आ रहे करियर और एक बच्चे के पालन–पोषण के बीच संतुलन बनाते हुए इंस्टाग्राम पर एक खाद्य सामग्री निर्माता के रूप में चमक रही हैं। एचआर और मार्केटिंग में एमबीए के साथ बीबीए स्नातक, निधि का खाना पकाने का जुनून कॉलेज के दिनों में ही विकसित हुआ, जो शादी के बाद और भी बढ़ गया। अपनी सास और स्थानीय विशेषज्ञों से पहाड़ी व्यंजनों में प्रशिक्षित, वह मास्टरशेफ इंडिया को अपनी प्रतिभा दिखाने और अपने सपनों को साकार करने का प्रवेश द्वार मानती है। अगर वह जीतती हैं। निधि अपने समुदाय को आगे ले जाते हुए शिमला और सोलन में कैफे खोलने की इच्छा रखती है। नाम्बी जेसिका एस मराक, मेघालय की 30 वर्षीय गतिशील महिला, पूर्वोत्तर व्यंजनों के प्रति अपने जुनून से प्रेरित है। वह अपने क्षेत्र की समृद्ध पाक परंपराओं को भव्य मंच पर प्रदर्शित करते हुए मास्टरशेफ इंडिया पर अपनी छाप छोड़ना चाहती है। अपर रंगसा, मेघालय की रहने वाली नाम्बी, सनबीम फाउंडेशन स्कूल की प्रिंसिपल और मालिक हैं, वह सहजता से कई टोपी पहनती हैं। चेन्नई में संचार कौशल सिखाने से लेकर मेघालय के शांत परिदृश्यों में युवा दिमागों का पोषण करने तक की उनकी यात्रा प्रेरणादायक से कम नहीं है। नंबी जेसिका मराक पूर्वोत्तर के विभिन्न भोजन और संस्कृति का दस्तावेजीकरण करने वाला एक यूट्यूब चौनल ‘ईट योर कप्पा’ भी चलाती हैं। खाना पकाने के प्रति नम्बी का जुनून बचपन से ही कायम है, और उसे पाक प्रयोगों में शुद्ध आनंद मिलता है। उनके पति उनकी स्वादिष्ट रचनाओं के लिए सदैव इच्छुक स्वाद–परीक्षक के रूप में कार्य करते हैं। एक उत्साही मास्टरशेफ उत्साही, नंबी पूर्वोत्तर भारत की विविध और जीवंत पाक विरासत को प्रदर्शित करने का सपना देखता है। रसोई में बिताया गया हर पल यादगार और मुंह में पानी ला देने वाले व्यंजन बनाने का अवसर है। मास्टरशेफ इंडिया रचनात्मकता और साहस का एक असाधारण मिश्रण होने का वादा करता है और पाक कला की दुनिया में नए मानक स्थापित कर रहा है। शेफ विकास खन्ना, रणवीर बराड़ और पूजा ढींगरा के नेतृत्व में, यह डिजिटल–केवल सीजन एक अभूतपूर्व पाक उत्सव है।

15 नवंबर से पर्यटकों के लिए खुल रहा कतर्नियाघाट

बहराइच। विश्व पटल पर प्रसिद्ध पर्यटक स्थल कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग अपनी सुंदरता के लिए जाना जाता है। यहां पर प्रति वर्ष हजारों की संख्या में देश–विदेश के सैलानी पहुंचते हैं। इस बार भी यह 15 नवंबर से पर्यटकों के लिए खुल रहा है। यह वन्य जीव प्रभाग अपनी जंगल सफारी, बोटिंग और गेरुआ नदी में डॉल्फिनों के लिए प्रसिद्ध है। इस बार पर्यटकों को यहां अपनी जेब कम ढीली करनी पड़ेगी। इसके लिए विभाग ने नई दरें भी जारी कर दी हैं। यहां पर जंगली जानवर बाघ, हिरण, तेंदुआ, डॉल्फिन, घड़ियाल और मगरमच्छ पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहते हैं। प्रति वर्ष हजारों की संख्या में पर्यटक कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग पहुंचते हैं। पिछले कुछ सालों में पर्यटन शुल्क में काफी बढ़ोतरी की गई थी इसके साथ–साथ बोटिंग और जंगल सफारी की दरों में भी काफी बढ़ोतरी की गई थी। जिसको देखते हुए पर्यटकों की संख्या भी कम होने लगी थी। लेकिन वन विभाग की ओर से पर्यटन शुल्क, बोटिंग व जंगल सफारी के शुल्क में काफी कमी की गई है। प्रभारी डीएफओ कतर्नियाघाट व उपनिदेशक दुधवा रंगाराजू ने बताया कि पर्यटन शुल्क, जंगल सफारी व बोटिंग के शुल्क में कमी होने के कारण अब पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। बताया कि 15 नवंबर को कतर्निया घाट वन्यजीव प्रभाग सैलानियों के लिए खुल जाएगा। कतर्नियाघाट प्रभाग के डीएफओ आकाशदीप वधावन का स्थानांतरण बाराबंकी के डीएफओ पद पर हो गया था। इसके बाद प्रभारी डीएफओ के रूप में दुधवा के उप निदेशक रंगाराजू को यहां की जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने यहां पहुंचकर निरीक्षण किया व वन कर्मियों के साथ बैठक कर जंगल के बारे में जानकारी ली।

तेंदुए को पकड़ने के लिए हाथी से हो रही कांबिंग,

शावकों के साथ एक महीने से घूम रही मादा तेंदुआ, कई पुराने पैरों के निशान मिले

बहराइच। बहराइच के खैरीघाट थाना क्षेत्र में हमलावर मादा तेंदुए को पकड़ने के लिए कतर्नियाघाट से दो हाथी बुलाए गए हैं। मादा तेंदुए की तलाश में नालों से लेकर गन्ने के खेत तक कांबिंग में जुटी रही। वन विभाग की टीम ने भी हाथियों की मदद से दुर्गम क्षेत्रों में तेंदुए के पगचिन्हों को तलाशा। कई जगह पगचिन्ह मिले, लेकिन वह पुराने दिखे। खैरीघाट थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत अरनवा, चौकसाहार, डल्लापुरवा के मजरा तेलियन पुरवा, झुंडी, नरायन पुरवा आदि गांवों में 30 दिनों से तेंदुए की दहशत बनी हुई है। तेंदुआ लगातार अपना ठिकाना बदलकर लोगों को मार रहा है। प्रभावित क्षेत्र में गन्ने की फसलें अधिक होने से तेंदुए को खोजने में समस्या हो रही है। वन विभाग ने तेंदुए को पकड़ने के लिए 40 कैमरे व 12 पिंजरे लगाए हैं। बहराइच, श्रावस्ती, गोंडा सहित छह रेंजों की टीम के लगी हुई है, लेकिन तेंदुआ लगातार चकमा दे रहा है। गया है। बहराइच डीएफओ संजय ने बताया कि तेंदुए को पकड़ने के लिए तीन हाथियों को लगाया गया है।

तेंदुए को पकड़ने के लिए अब अब कतर्नियाघाट से 2 हाथी बुलाये गए हैं। पीलीभीत, कतर्नियाघाट, दुधवा से डॉ. दीपक कुमार, डॉ. दक्ष, डॉ. दया को तेंदुए को ट्रेंकुलाइज करने के लिए बुलाया जल्द तेंदुए को पकड़ लिया जाएगा। ग्रामीणों को समूह में निकलने व रात में बाहर न जाने को लेकर जागरूक किया गया है। तेंदुआ दिखने पर हांका लगाने की जानकारी दी जा रही है।

जेडी कंस्ट्रक्शन के मालिक-ठेकेदार पर गैर-इरादतन हत्या की एफआईआर

बस्ती। जिले के बनटिकरा में निर्माणाधीन इंडोर स्टेडियम की छत बृहस्पतिवार को गिर गई थी। जिसमें एक मजदूर की मौत हो गई थी। मामले में मृतक के चचेरे भाई की तहरीर पर सोनहा पुलिस ने जेडी कंस्ट्रक्शन के ठेकेदार व जेडी कंस्ट्रक्शन के मालिक जेडी मिश्रा के खिलाफ गैर इरादतन हत्या सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है और पुलिस मामले की जांच में जुटी है। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के खजुहा निवासी मृतक रामलौट के चचेरे भाई संतोष कुमार ने सोनहा पुलिस को तहरीर देकर बताया कि बनटिकरा में यूपी सिडको की ओर से स्टेडियम का निर्माण कराया जा रहा है। जिसके ठेकेदार जेडी कंस्ट्रक्शन के मालिक जेडी मिश्रा हैं। कार्मिकों ने उन्हें बार–बार इसकी सूचना दी कि जमीन गीली है। लिंटर डालना सही नहीं होगा। इसके बाद भी ठेकेदार गाली देकर जबरदस्ती कार्य करा रहे थे। जिसके चलते उसके चचेरे भाई की मौत हो गई। एसओ सोनहा शैलेश सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। सांसद निधि से लगभग ढाई करोड़ की लागत से भानपुर तहसील क्षेत्र के बनटिकरा में इंडोर स्टेडियम का निर्माण हो रहा था। इसी बीच अचानक से स्टेडियम की छत गिर गई। जिसके नीचे दबकर कप्तानगंज थाना क्षेत्र के खजुआ निवासी रामलौट चौधरी पुत्र राम अछैवर चौधरी की मौत हो गई थी। अपर पुलिस अधीक्षक दीपेंद्र चौधरी ने बताया था कि मृतक रामलौट शटरिंग का मेन मिस्त्री था। उसी की ओर से शटरिंग लगाई गई थी। पानी के चलते सर्पोट के लिए लगी बांस की बल्ली खिसक गई। इसके चलते यह हादसा हो गया।

डीएम की मौजूदगी में अपने ऊपर पेट्रोल उड़ेलने लगी महिला, पुलिस कर्मियों ने बचाई जान

बस्ती। जिले में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां हर्रैया तहसील में समाधान दिवस के दौरान अपना प्रार्थनापत्र डीएम को देने के बाद हॉल में बैठी एक महिला ने अपने ऊपर पेट्रोल उड़ेलने का प्रयास किया। मौजूद पुलिस कर्मियों ने उसके हाथ से बोतल छीन लिया। महिला का कहना है कि उसके घर तक जाने के लिए रास्ता नहीं है। इसकी मांग को लेकर वह सात बार समाधान दिवस, दो बार मुख्यमंत्री पोर्टल और पांच बार थाना समाधान दिवस में आवेदन कर चुकी है। मगर उसकी समस्या का हल नहीं निकल सका। वह डीही आबादी की जमीन में रास्ते की मांग कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि उसकी मांग गैर वाजिब है, फिर भी कोई न कोई हल निकालने का प्रयास किया जा रहा है।

सनातन धर्म और संस्कृति का गवाह है श्री नृसिंह मंदिर

रखरखाव के अभाव में मंदिर खण्डर में तब्दील

लखनऊ। राजधानी में परमपुण्यदायिनी आदिगंगा गोमती के पावन तट पर स्थित सबसे प्राचीन श्री नृसिंह भगवान् का अद्भुत मंदिर स्थित है। मंदिर की प्राचीनता प्रथम दृष्टि से ही पता चल जाती है। इसका अधिकांश भाग प्राचीन लखनौरी ईंटों से बना है। मंदिर का विशाल घाट खंडित कँगूरे अलंकृत प्रवेश द्वार सब इसकी पुराकालीन भव्यता की साक्षी देते हैं। किसी समय यहाँ कार्तिक पूर्णिमा पर विशाल मेला लगा करता था। दो दिशाओं से मंदिर में प्रवेश की व्यवस्था थी। महिलाओं के लिये अलग स्नान की व्यवस्था थी। परन्तु कालक्रम से आज यह दिव्य प्राचीन मंदिर खँडहर बन चुका है। मंदिर के घाट पर मोटी सिल्ट जमा है। गोमती दर्शन के लिए बने कँगूरे टूट गये हैं। मंदिर के एक प्रवेश द्वार के सामने १९९८ में डालीगंज का पुल बन गया तो वह बंद हो गया। दूसरा द्वार नदी के सामने बने छोटे पुल पर था। वह पुल टूट गया तो दूसरा द्वार भी बंद हो गया। मंदिर के अनेक कमरों की दीवारें गिर गयीं। कुछ कमरों की छत टूट गयी। जो बचे उनपर अराजक तत्त्वों ने कब्जा जमा लिया। मंदिर के आसपास नशेड़ियों का जमावड़ा हो गया। मंदिर की अव्यवस्था के इस काल में भक्तों ने भी इसकी ओर से मुँह मोड़ लिया। इसकी अनेक मूर्तियाँ चोरी हो गयीं। कुछ खंडित हो गयीं पर अभी भी यहाँ अनेक दिव्य एवं अद्भुत विग्रह धर्म के संरक्षणार्थ अविचल खड़े हैं। यहाँ गोमती तट श्री बजरंगबली की एक तांत्रिक मूर्ति है। जिसमें उनके पैरों के नीचे अहिरावण राक्षस बना है। इस मंदिर की छत आधी टूट गयी है यदि थोड़ी सी और टूटकर मूर्ति पर गिरी तो विशाल मूर्ति खंडित भी हो सकती है। मंदिर में बजरंगबली के कुल पाँच विग्रह हैं। जिनमें तीन बालरूप के हैं। मंदिर में दूसरी दिव्य मूर्ति भगवान भोलेनाथ के आखेटक बेर विग्रह की है। भगवान् शिव ने जब किरात का रूप धारण कर वीरवर अर्जुन को दर्शन दिये थे। उस समय की यह मूर्ति है। ऐसी मूर्तियाँ गुप्तकाल में बना करती थीं। यह मूर्ति संभवत इस मंदिर से भी बहुत प्राचीन है और कहीं से यहाँ लाकर रखी गयी है। पूरे लखनऊ जनपद में ऐसी मूर्ति कहीं और नहीं है। जो भी इस मूर्ति के दर्शन कर रहा है। इस मूर्ति में शिव परिवार में से केवल भगवान शिव एवं नन्दिकेश्वर की मूर्ति ही शेष है। मंदिर के मुख्य कक्ष में सत्रह मूर्तियाँ रखी हैं। जो संभवत उनके स्वयं के कक्षों के भग्न हो जाने के कारण वहाँ रखी गयीं हैं। मुख्य कक्ष में भगवान श्री नृसिंह की दो दिव्य विग्रह रखे हैं एक उग्र मूर्ति एवं एक शान्त मूर्ति। इसके अतिरिक्त मंदिर में विभिन्न प्रकार के शालग्राम रखे हैं जिनमें दुर्लभ चक्र शालग्राम भी है। राम दरबार एवं राधाकृष्ण की धात्विक मूर्तियाँ भी हैं। इतने दिव्य विग्रहों के होने पर भी मंदिर की दुर्दशा अकथनीय है। देवमंदिर में न तो किसी पुजारी की व्यवस्था है और न नियमित भोग की। मूर्तियों का विधिवत् आरती–पूजन तक नहीं होता है। एक सेवादार किसी प्रकार विग्रहों की थोड़ी–बहुत सेवा कर रहा है।

व्यापारियों ने प्राधिकरण अधिकारियों को गिनाई समस्या, अब यहां हर ब्लाक का होगा अलग–अलग रंग

नोएडा,(यूएनएस)। सेक्टर–18 मार्केट एसोसिएशन नोएडा और प्राधिकरण अधिकारियों के बीच एक बैठक आयोजित हुई। बैठक में सेक्टर–18 के व्यापारियों ने अधिकारियों को 18 समस्याओं से अवगत कराया। इस मौके पर अधिकांश पार सहमति बनी। इसके तहत अब सेक्टर–18 के हर ब्लाक का अलग–अलग रंग होगा। साथ ही यहां लेन सभी साइन बोर्ड एक रंग और साइज के होंगे। इसके अलावा पार्किंग समेत कई मुद्दों पर चर्चा की गई। वहीं सेफ सिटी के तहत सेक्टर–18 के दुकानों और शो रूम के सीसीटीवी कैमरे आईएसटीएमएस से जोड़े जाए। जिससे दुकानों की सीधी निगरानी हो सके। मार्केट एसोसिएशन के अध्यक्ष एसके जैन ने बताया कि पार्किंग के संबंध में पहले आधे घंटे तक 20 रुपए और उसके बाद के चार घंटे का 50 रुपए सुनिश्चित हुआ था। जिसे कि पहले आधे घंटे से ज्यादा समय होने पर 50 रुपए चार घंटे का लिया जाना चाहिए था। लेकिन कांट्रैक्टर अब आधा घंटे से एक मिनट भी ऊपर होने पर 70 रुपए चार्ज करता है जो कि गलत है। इस समस्या का निपटारा किया जाए। पहले सेक्टर 18 में सभी प्रतिष्ठानों पर कार्यरत या मालिकों, पार्टनर सभी को चार पहिया दो पहिया वाहनों को बहुमंजिला पार्किंग में खड़े करने के लिये 600 और 300 रुपए महीने का पास दिया जाता था , जिसे अब सिर्फ एक प्रतिष्ठान पर एक पास कर दिया गया है , जो कि गलत है यह सुविधा सभी को जारी रखनी चाहिए। सभी पार्किंग कर्मियों का व्यवहार जनता के साथ अच्छा हो वहीं सभी यूनिफॉर्म में एवं पहचान पत्र के साथ हो। बहुमंजिला पार्किंग से बाजार तक आने जाने के लिए ई रिक्शा पर्याप्त मात्रा में चले समय समय पर सेक्टर 18 मार्केट एसोसिएशन नोएडा के प्रतिनिधियों से इनका परिचालन का सत्यापन कराया जाय। नो पार्किंग जोन के वाहनों का चालान करने से पहले पी सिस्टम लाउडिस्पीकर से वार्निंग की घोषणा करनी चाहिये । चालान यातायात कर्मियों द्वारा ही किए जाय। वाहन पार्किंग की जगह एवं खड़े हो सकने वाले वाहनों की सूची सत्यापन के लिए सेक्टर 18 मार्केट एसोसिएशन नोएडा को उपलब्ध कराई जाय। नलियों का स्लोप समान न होने के कारण बारिश के दौरान जलभराव होता है, ठीक किया जाय। रिमांड लिंग के समय बने डक्ट्स के अंदर जल भराव होता है उसका निराकरण किया जाय। सेक्टर–18 की सीवर लाइन की सफाई एवं शो रूम के साथ बने सीवर मैन होल्स को ठीक किया जाय। सेक्टर–18 के विभिन्न स्थानों पर लिंकिंग के साथ मल्टी लेवल पार्किंग से मैट्रो स्टेशन सेक्टर–18 तक एलिवेटेड स्काई वॉक वे बनवाया जाय। मॉल ऑफ इंडिया के सामने डायवर्जन को बार–बार बंद कर देते हैं। जिसको खोला जाय एवं समुचित समाधान हो।सेक्टर–18 के प्रवेश द्वारों पर सौंदर्यीकरण कराया जाय। वर्चुअल लाइटिंग फाउंटेन आदि बनाये जाय। विभिन्न स्थानों से वेंडर्स एवं कियोस्क द्वारा अतिक्रमण हटवाने की मांग की गई। सड़क के किनारे के क्षेत्र का उचित रखरखाव कराने की मांग की गई। सड़कों की सरफेसिंग की जाए एवं जहां भी टूट फूट है वह ठीक की जाय। मार्केट में आग सुरक्षा पाइपलाइन अभी स्थापित नहीं है, जिसको स्थापित कराने की मांग की गई। सेक्टर–18 में सभी अवशेष नालियों को ढकने की मांग की गई। सेक्टर–18 क्रासिंग पर मैनुअल ट्रैफिक लाइट, ब्लिंग एवं जेब्रा क्रासिंग बनायी जाय।

एलडीए ने राजधानी के 100 पार्कों में ओपन एयर जिम इक्विप्मेंट्स के इंस्टॉलेशन की प्रक्रिया की शुरू

लखनऊ। प्रदेश भर में नागरिकों को वर्ल्ड क्लास एमिनिटीज का लाभ मिले इस क्रम में योगी सरकार ने प्रदेश के पार्कों में ओपन एयर जिम इक्विप्मेंट्स के इंस्टॉलेशन की प्रक्रिया तेज कर दी है। सीएम योगी की मंशा अनुरूप इस प्रक्रिया को पूर्ण करने के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है। इसी कार्ययोजना को क्रियान्वित करते हुए प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 100 पार्कों में ओपन एयर जिम इक्विप्मेंट्स के इंस्टॉलेशन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। योगी सरकार के निर्देश पर लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने इस प्रक्रिया में तेजी लाते हुए ई–टेंडर जारी करते हुए ई–बिडिंग प्रक्रिया के जरिए कार्य आवंटित करने का निर्णय लिया है। एलडीए द्वारा ई–टेंडर के जरिए जो आवेदन मांगे गए हैं उनके ऑनलाइन सबमिशन की अंतिम तिथि 10 नवंबर निर्धारित की गई है। वहीं, 11 नवंबर को यह टेंडर खुलेगा जिसके जरिए कार्यों को पूर्ण करने वाले आवेदनकर्ता का निर्णय किया जाएगा। खास बात ये है कि इस टेंडर में ज्वॉइंट वेंचरिंग का प्रावधान नहीं है, यानी कि दो कंपनियां संयुक्त उपक्रम के तौर पर आवेदन नहीं कर सकतीं। इस टेंडर के अनुसार, केवल एक आवेदनकर्ता कंपनी या फर्म ही आवेदन की पात्र होंगी। जिन पात्र आवेदनकर्ता को यह टेंडर मिलेगा उन्हें 6 महीनों के अंदर लखनऊ के चिह्नित विभिन्न पार्कों में न केवल ओपन एयर जिम इक्विप्मेंट्स को इंस्टॉल करना होगा बल्कि 5 वर्षों तक उनके उचित रखरखाव को भी सुनिश्चित करना होगा। प्रदेश के पार्कों में ओपन एयर जिम इक्विप्मेंट्स के इंस्टॉलेशन के जरिए पार्कों के मेकओवर करने की प्रक्रिया को मूर्त रूप देते हुए एलडीए ने जो ई–टेंडर जारी किया है उसकी टेंडर फीस 4366 रुपए रखी गई है। वहीं, इस निविदा में भाग लेने वाले इच्छुक आवेदनकर्ता को अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट (ईएमडी) के तौर पर 7.32 लाख रुपए जमा कराने होंगे। ई–टेंडरिंग प्रक्रिया को दो चरणों में पूर्ण किया जाएगा। पहले चरण में फाइनेंशियल बिड जबकि दूसरे चरण में टेक्निकल बिड के जरिए पात्र आवेदनकर्ताओं का निर्धारण होगा। सभी आवेदनकर्ता एक बार में एक ही आवेदन दे सकेंगे और एक से ज्यादा आवेदन देने वाले आवेदनकर्ताओं का आवेदन निरस्त कर दिया जाएगा। बिडिंग के जरिए जिस कंपनी या फर्म को यह टेंडर मिलेगा उसे सभी कार्यों की गुणवत्ता व रखरखाव को उत्तर प्रदेश शासन की रूलबुक के अनुसार सुनिश्चित करना होगा। प्रदेश सरकार का फोकस पार्कों में उत्तम नागरिक सेवाएं उपलब्ध कराकर जनता को उत्तम स्वास्थ्य लाभ पहुंचाना है। प्रदेश की योगी सरकार लखनऊ के 2400 पार्कों समेत प्रदेश भर के पार्कों में यह सुविधा आम नागरिकों के लिए उपलब्ध कराने का प्रयास कर रही है। माना जा रहा है कि इस क्रम में प्रदेश सरकार का फोकस 500 पार्कों में इस सुविधा को जल्द से जल्द पूर्ण करने पर है और इसी क्रम में 100 पार्कों में अगले 6 महीने के अंदर ओपन एयर जिम की सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं।

टैली ईआरपी–09 कोर्स पूर्ण करने पर विद्यार्थियों को प्रमाण–पत्र देकर किया गया सम्मानित

लखनऊ। शिया महाविद्यालय व एम.एस.एम.ई के बीच हुए एम0ओ0यू0 के अर्न्तगत महाविद्यालय में विभिन्न कोर्स संचालित किए जा रहे है। 30 छात्र–छात्राओं को एम.एस.एम.ई. के अर्न्तगत संचालित टैली ई आर पी–09 (एकाउंटेन्सी) कोर्स को पूर्ण करने पर, महाविद्यालय के प्रबन्धक, प्रो0 अजीज हैदर द्वारा खतीब–ए–अकबर मौलाना मिर्जा मोहम्मद अतहर लाइब्रेरी में प्रमाण–पत्र देकर उन्हें सम्मानित किया गया। महाविद्यालय के प्रबन्धक प्रो0 अजीज हैदर ने छात्र,छात्राओं को सम्बोधित करते हुये कहा कि जब मैं अपने महाविद्यालय के बच्चों को कोर्स पूर्ण करते हुये देखता हूँ, तो मुझे बहुत ही गर्व की अनुभूति होती है, और एकाउंटेसी के क्षेत्र में तरक्की करें। एम.एस.एम.ई. के समन्वयक डॉ0 कीर्ति प्रकाश तिवारी ने कहा कि एम.एस.एम.ई के अन्तर्गत महाविद्यालय में अभी और रोजगारपरक नये कोर्स संचालित किये जायेंगे, जो भविष्य में होने वाली जरूरतों को ध्यान में रखते हुये तैयार किये गये हैं। इस प्रकार के कोर्स को पूर्ण करने पर छात्र,छात्राएं अपना स्वयं का उद्यम भी शुरू कर सकते हैं, और लोगों को रोजगार भी मुहैया करा पाने में समर्थ हो सकते हैं।

इस मौके पर वाणिज्य संकायाध्यक्ष, प्रो0 अंजुम अबरार, सम्पति अधिकारी, डॉ0 एजाज अब्बास, प्रो0 नवाब मसूद अब्दुल्लाह, प्रो0 नूरुल हसन, डॉ0 कीर्ति प्रकाश तिवारी, डॉ0 अंकुर सिंह सहित महाविद्यालय के अध्यापक, कर्मचारी व छात्र–छात्राएं उपस्थित रहें। छात्राओं से कहा कि वह अपनी क्षमताओं को पहचानने की कोशिश करें और उन्हें निखारें। प्रोफेसर तहसीन ने इंटर स्कूल क्विज प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने वाले छात्राओं हिफ्जा और नूर अकदस को पुरस्कार वितरित किए। मुग्धा को अंतर विद्यालय वाद–विवाद प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार मिला, जबकि शाजिया और जुवेरिया ने अंतर विद्यालय नज्म ख्वानी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। उप प्राचार्य डॉ सबा हसन ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

एएमयू में फिर चली गोली, छात्र घायल,जेल से छूटकर आया पूर्व छात्र कर रहा था हर्ष फायरिंग

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय का कैंपस एक बार फिर शुक्रवार रात को गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंज उठा। यूनिवर्सिटी का पूर्व छात्र जेल से रिहा होने के बाद कैंपस के अंदर आकर अपने साथियों के साथ जश्न मना रहा था। खुशी मना रहे उसके समर्थक हर्ष फायरिंग भी कर रहे थे। हर्ष फायरिंग के दौरान कैंपस के हॉस्टल में रहने वाले बीए के छात्र रेहान के पैर में गोली लग गई। गोली छात्र के जांघ को चीरती हुई निकल गई और वह घायल होकर जमीन पर गिर गया। अन्य छात्रों ने इसकी जानकारी प्रॉक्टर और पुलिस को दी। जिसके बाद प्रॉक्टोरियल टीम और सिविल लाइन थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई और घायल छात्र को जेएन मेडिकल कालेज में भर्ती कराया। कैंपस से मिली जानकारी के अनुसार एएमयू का पूर्व छात्र पूर्व छात्र शोएब उर्फ याया एक आपराधिक मामले में जेल में बंद था। उसके ऊपर एक व्यक्ति पर जानलेवा हमला करने का आरोप है। कोर्ट ने उसकी जमानत की याचिका स्वीकार कर ली थी, जिसके बाद उसे शुक्रवार को जेल से रिहा किया गया था। जेल से जमानत पर रिहा होने के बाद शोएब उर्फ याया शुक्रवार देर रात एएमयू के नार्थ एसएस हॉल पहुंच गया। रात लगभग 10.30 बजे वह कैंपस में हॉस्टल के बाहर अपने साथियों के साथ हर्ष फायरिंग कर रहा था। इसी दौरान बीए का छात्र रेहान खाना खाने के लिए बाहर आया था और उसके पैर में गोली लग गई। रिहान मूल रूप से मुरादाबाद का रहने वाला है। छात्र के घायल होने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। वहीं घटना के बाद प्रॉक्टोरियल टीम के साथ सीओ थर्ड अशोक कुमार सिंह, सिविल लाइंस थाना प्रभारी विजय सिंह समेत थाने की अन्य फोर्स मौके पर पहुंच गई। उन्होंने घायल को मेडिकल कालेज में भर्ती कराया और कैंपस के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरे खंगालने शुरू किए हैं। सीओ थर्ड अशोक कुमार सिंह ने बताया कि कैंपस के अंदर फायरिंग की सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। फायरिंग में एक छात्र के पैर में गोली लगी है, जिसे मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया है। पुलिस सीसीटीवी की जांच कर रही है और जल्दी ही आरोपी पुलिस की हिरासत में होंगे। घायल छात्र की ओर से तहरीर प्राप्त की जा रही है, जिसके आधार पर मुकदमा दर्ज कराया जाएगा।

एएमयू शिक्षकों ने 'स्प्लिट स्प्रिंट टाइमर' अविष्कार के लिए पेटेंट प्राप्त किया

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रोफेसर इकराम हुसैन और इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर इकराम खान ने डा. फुजैल अहमद और इंजीनियर आनंद अग्रवाल के साथ मिलकर 'स्प्लिट स्प्रिंट टाइमर' नामक अविष्कार के लिए बौद्धिक संपदा कार्यालय, नई दिल्ली से पेटेंट प्राप्त किया है। पेटेंट, संख्या 456666 उन्हें आधिकारिक तौर पर 4 अक्टूबर 2023 को प्रदान किया गया। स्प्लिट स्प्रिंट टाइमर एक ऐसा उपकरण है जिसे एथलीटों द्वारा स्प्रिंट पूरा करने में लगने वाले समय को सटीक रूप से मापने के लिए डिजाइन किया गया है, जो ट्रैक और फील्ड, हॉकी, सॉकर, अमेरिकी फुटबॉल और हैंडबॉल जैसे खेलों में उपयोगी सिद्ध होगा। कोच और एथलीट इस उपकरण का उपयोग प्रत्येक स्प्रिंट चरण के लिए आवश्यक समय को सटीक रूप से मापने के लिए कर सकते हैं। इस आविष्कार में स्टॉप वॉच, स्टॉप और लैप फंक्शन, दौड़ में बिताये गये समय और पूर्ण किये गये लैब को दर्शाने वाला डिजिटल डिस्प्ले आदि शामिल है। यह विभिन्न प्रकार के खेलों के लिए अनुकूल एक बहुमुखी उपकरण है, जो सभी स्तरों के एथलीटों को अपने प्रदर्शन को बढ़ाने और उनकी प्रगति की निगरानी करने की सुविधा प्रदान करता है। इस नवोन्मेषी उपकरण में प्रशिक्षण कार्यक्रमों में क्रांति लाने और विभिन्न खेलों में एथलीटों को लाभ पहुंचाने की क्षमता है।

कांग्रेस के नेताओं ने भ्रष्टाचार के नए-नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं : भूपेंद्र चौधरी

लखनऊ। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने शनिवार को छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल पर निशाना साधा है। बघेल के ईडी पर दिए गए बयान पर कहा भारत मे कांग्रेस पार्टी भ्रष्टाचार की जनक है। आजादी के बाद दशकों तक सत्ता में रहने वाली कांग्रेस पार्टी और उसके नेताओं ने भ्रष्टाचार के नए–नए कीर्तिमान स्थापित किये हैं। जल से लेकर थल और नभ कोई ऐसी जगह नहीं बची जहां पर भ्रष्टाचार न किया गया हो। भूपेंद्र चौधरी ने कहा, छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल ने नई नजीर पेश की है। उन्होंने सत्ता में रहकर सट्टा कारोबार खेल रहे हैं। महादेव एप के नाम पर बड़ा भ्रष्टाचार किया गया है। 500 करोड़ रुपये से अधिक पैसा दिया गया है। ईडी की जांच में यह मामला सामने आया है। छत्तीसगढ़ में बड़ी संख्या में नकदी लाने की जानकारी सामने आई, जिसपर कार्रवाई की गई। ईडी ने पांच करोड़ की धनराशि बरामद की है। ईडी ने महादेव एप से जुड़े कुछ बेनामी सम्पत्ति भी जब्त की है। ईडी ने इस मामले में कई लोगों को गिरफ्तार किया है। भूपेंद्र चौधरी ने कहा, मैं छत्तीसगढ़ के सीएम और कांग्रेस पार्टी से सवाल पूछ रहा हूं कि.. छत्तीसगढ़ में हुए इस भ्रष्टाचार में उनका पैसा नहीं है? ईडी ने कहा है कि असीम दास ने स्वीकार किया है कि यह धनराशि छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए खर्च करने के लिए लाई गई थी। महादेव एप के बेनामी खाते का भी पता चला है। जिसे जब्त किया गया है। आगे की कार्रवाई जारी है। महादेव एप की धनराशि को छत्तीसगढ़ के नेताओं और अफसरों को बांटने का काम किया है। छत्तीसगढ़ में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारी के लिए पैसे दिए गए हैं।

पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा के साथ ३३ लाख की धोखाधड़ी,एफआईआर दर्ज

आगरा। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर और कॉमेंटेटर आकाश चोपड़ा के साथ धोखाधड़ी हुई है। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के पूर्व मैनेजर और उनके बेटे पर 33 लाख रुपए हड़पने के आरोप लगे हैं। आकाश चोपड़ा ने आगरा के हरीपर्वत थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। बता दें कि इससे पहले क्रिकेटर दीपक चाहर के पिता भी धोखाधड़ी और बहू को जान से मारने की धमकी का केस हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के पूर्व मैनेजर कमलेश पारिख और उनके बेटे ध्रुव पारिख के पर दर्ज करा चुके हैं। आकाश चोपड़ा ने बताया कि आगरा में पारीख स्पोर्ट्स एंड शॉप के मालिक कमलेश पारीख का जूते का व्यवसाय है। कमलेश पारीख हैदराबाद क्रिकेट एसोसिशन के पदाधिकारी रह चुके हैं। इसके चलते उनकी कमलेश पारीख और उनके बेटे से जान पहचान है। कमलेश पारीख के बेटे ध्रुव पारीख ने उनसे अपने स्पोर्ट शू बिजनेस में इन्वेस्ट करने के लिए 57.80 लाख रुपए लिए थे। उन्होंने ध्रुव के साथ लिखित एग्रीमेंट किया। उनके बीच तय हुआ था कि 30 दिन के अंदर उनको 20: प्रॉफिट के साथ उनकी रकम वापस की जाएगी। ध्रुव ने उनको पोस्ट डेटेड चेक भी दिए थे। मगर, तय समय पूरा होने के बाद उनको रकम वापस नहीं की गई। पिछले 12 महीने में केवल 24.5 लाख रुपए ही लौटाए। आकाश ने बताया, ध्रुव के पिता कमलेश पारीख से जब इसकी शिकायत की तो उन्होंने भरोसा दिलाया कि अपने बेटे की तरफ से वो भरपाई करेंगे। लेकिन, अब कमलेश भी कोई जवाब नहीं दे रहे हैं। उन्होंने कमलेश पारीख को लीगल नोटिस भी भेजा। मगर, अब न तो उनका बेटा और न ही वो उनके फोन कॉल उठा रहे हैं न ही मैसेज का जवाब दे रहे हैं। आकाश चोपड़ा ने पुलिस को बताया कि ध्रुव पारीख ने उनको जो पोस्ट डेटेड चेक दिए थे, वो दोनों चेक भी बाउंस हो गए। उनका 33.80 लाख रुपए उनके पास फंस गया है। पुलिस ने आकाश चोपड़ा कि तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। इंस्पेक्टर अरविंद कुमार का कहना है कि साक्ष्य के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भारत के सभी स्कूलों में बुनियादी कानूनी शिक्षा के प्रावधान को अनिवार्य बनाने के लिए एक विधायी ढांचे की आवश्यकता

डॉ. राजेश्वर सिंह ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री को पत्र लिखा

लखनऊ, (यूएनएस)। भारत दुनिया की सबसे युवा आबादी में से एक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो द्वारा वर्ष 2021 के लिए प्रकाशित आंकड़ों से पता चलता है कि देश में किशोरों द्वारा किए गए अपराधों की दर लगातार 2020 में 29,768 मामलों से बढ़कर 2021 में 31,170 मामलों तक पहुंच गई है, जो 4.7: की वृद्धि दर्शाती है। आपराधिक गतिविधि पर निवारक प्रभावः किशोर अपराध की उच्च दर के पीछे प्राथमिक कारणों में से एक युवा वयस्कों के बीच कानूनी साक्षरता की कमी है। आपराधिक कार्यों के दंडात्मक परिणामों के बारे में जागरूकता उन लोगों को रोकेगी जो सजा के डर से ऐसे अपराध करना चाहते हैं। इस प्रकार, इन अपराधों के संबंध में बुनियादी ज्ञान प्रदान करने से सकारात्मक परिणाम मिलेंगे और समाज में सकारात्मक बदलाव आएगा, और नाबालिगों द्वारा किए जाने वाले अपराधों में कमी आएगी। राष्ट्रीय न्यायिक डेटा ग्रिड के अनुसार, सितंबर, 2021 तक, भारत की सभी अदालतों में 4.5 करोड़ मामले लंबित हैं, जिससे केस क्लीयरेंस दर बेहद कम हो गई है। कानूनी शिक्षा के प्रावधान से जागरूकता का स्तर बढ़ेगा और अपराध पर रोक लगेगी जिससे न्यायपालिका पर बोझ कम होगा। संविधान प्रत्येक व्यक्ति को मानवीय गरिमा के साथ जीवन जीने का अधिकार सुनिश्चित करता है (अनुच्छेद 21)। इसके परिणामस्वरूप कानूनी शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार (अनुच्छेद 21ए) और मुफ्त कानूनी सहायता प्राप्त करने का अधिकार (अनुच्छेद 39ए) शामिल है। यह विशेष रूप से उस देश में अत्यंत महत्वपूर्ण है जहां इग्नोरेंटिया ज्यूरिस नॉन एक्सक्यूसैट कानून की अज्ञानता की दलील देना स्वीकार्य नहीं है और पुलिस के पास बलपूर्वक शक्तियां उपलब्ध हैं। कानूनी शिक्षा प्रदान करने से सभी नागरिक अपने कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक होंगे और उन्हें जीवन के सभी क्षेत्रों में इसे अपनाने में मदद मिलेगी। इस प्रकार, कानूनी शिक्षा तक पहुंच सभी के लिए निष्पक्ष और सुलभ न्याय प्रणाली की संवैधानिक दृष्टि को साकार करने में मदद करेगी। नागरिक जिम्मेदारी और सार्वजनिक सेवा को बढ़ावा देना जिसके परिणामस्वरूप सामाजिक प्रगति और एकजुटता आती हैरू कानून की शिक्षा छात्रों के बीच तर्कसंगत तर्क को प्रोत्साहित करती है, जिससे उन्हें अलंकारिक तर्क और रूढ़िवादिता के आगे झुकने की संभावना कम हो जाती है जो भारतीय समाज को विभिन्न पहलुओं में विभाजित करती है। यह उन्हें इस बात की स्पष्ट दृष्टि से सुसज्जित करेगा कि क्या किया जाना चाहिए और यह कैसे किया जा सकता है जिसके परिणामस्वरूप एक समतावादी राज्य और उत्थानकारी न्याय प्राप्त होगा। जनवरी 2021 तक, लगभग दस लाख भारतीय छात्र विदेशों में पढ़ रहे थे। इस प्रकार, देश की बुनियादी कानूनी प्रणाली का विस्तृत अध्ययन विदेश में अध्ययन करने जाने वाले छात्रों के लिए सहायक सिद्ध होगा। इस प्रकार, कानूनी शिक्षा का उद्देश्य छात्रों को विभिन्न कानूनी प्रणालियों और संस्कृतियों से अवगत कराकर और तेजी से परस्पर जुड़ी दुनिया में कानून की भूमिका के बारे में सोचने के लिए प्रोत्साहित करके वैश्विक परिप्रेक्ष्य प्रदान करना हो सकता है। शिक्षा के सभी स्तरों में अपराध की रोकथाम और आपराधिक न्याय को एकीकृत करने के महत्व को संयुक्त राष्ट्र संगठनों द्वारा भी अपराध और हिंसा का मुकाबला करने के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण बनाने के एक प्रभावी रूप के रूप में मान्यता दी गई है। इस मान्यता के मद्देनजर, अपराध रोकथाम और आपराधिक न्याय पर 13वीं संयुक्त राष्ट्र कांग्रेस में दोहा घोषणा को अपनाया गया था। कानूनी शिक्षा को शामिल करने के लिए एक कानून पेश करने के लिए एक विधेयक का परिचय, भले ही एक अलग अनिवार्य पाठ्यक्रम के रूप में न हो, कम से कम माध्यमिक स्तर पर अतिरिक्त अध्यायों के माध्यम से स्कूलों में पहले से मौजूद अनिवार्य विषयों में एकीकृत किया जाए। युवा 18 वर्ष की आयु तक एक सुरक्षात्मक और सुरक्षित बुलबुले में घिरे रहते हैं, और अचानक स्कूल से स्नातक होने पर वे वास्तविक दुनिया के संपर्क में आते हैं जहां वे आधिकारिक तौर पर वयस्क होते हैं और अपने सभी कार्यों के लिए कानूनी रूप से उत्तरदायी होते हैं। इस प्रकार, एक समाज के रूप में यह सुनिश्चित करना हमारा कर्तव्य है कि उन्हें उनकी भलाई और विकास के लिए वयस्कता में एक सुरक्षित और संरक्षित मार्ग सुनिश्चित करने के लिए अधिकतम संभव गोला–बारूद प्रदान किया जाए।

पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा के साथ 33 लाख की धोखाधड़ी,एफआईआर दर्ज

आगरा। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर और कॉमेंटेटर आकाश चोपड़ा के साथ धोखाधड़ी हुई है। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के पूर्व मैनेजर और उनके बेटे पर 33 लाख रुपए हड़पने के आरोप लगे हैं। आकाश चोपड़ा ने आगरा के हरीपर्वत थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। बता दें कि इससे पहले क्रिकेटर दीपक चाहर के पिता भी धोखाधड़ी और बहू को जान से मारने की धमकी का केस हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के पूर्व मैनेजर कमलेश पारिख और उनके बेटे ध्रुव पारिख के पर दर्ज करा चुके हैं। आकाश चोपड़ा ने बताया कि आगरा में पारीख स्पोर्ट्स एंड शॉप के मालिक कमलेश पारीख का जूते का व्यवसाय है। कमलेश पारीख हैदराबाद क्रिकेट एसोसिशन के पदाधिकारी रह चुके हैं। इसके चलते उनकी कमलेश पारीख और उनके बेटे से जान पहचान है। कमलेश पारीख के बेटे ध्रुव पारीख ने उनसे अपने स्पोर्ट शू बिजनेस में इन्वेस्ट करने के लिए 57.80 लाख रुपए लिए थे। उन्होंने ध्रुव के साथ लिखित एग्रीमेंट किया। उनके बीच तय हुआ था कि 30 दिन के अंदर उनको 20: प्रॉफिट के साथ उनकी रकम वापस की जाएगी। ध्रुव ने उनको पोस्ट डेटेड चेक भी दिए थे। मगर, तय समय पूरा होने के बाद उनको रकम वापस नहीं की गई। पिछले 12 महीने में केवल 24.5 लाख रुपए ही लौटाए। आकाश ने बताया, ध्रुव के पिता कमलेश पारीख से जब इसकी शिकायत की तो उन्होंने भरोसा दिलाया कि अपने बेटे की तरफ से वो भरपाई करेंगे। लेकिन, अब कमलेश भी कोई जवाब नहीं दे रहे हैं। उन्होंने कमलेश पारीख को लीगल नोटिस भी भेजा। मगर, अब न तो उनका बेटा और न ही वो उनके फोन कॉल उठा रहे हैं न ही मैसेज का जवाब दे रहे हैं। आकाश चोपड़ा ने पुलिस को बताया कि ध्रुव पारीख ने उनको जो पोस्ट डेटेड चेक दिए थे, वो दोनों चेक भी बाउंस हो गए। उनका 33.80 लाख रुपए उनके पास फंस गया है। पुलिस ने आकाश चोपड़ा कि तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। इंस्पेक्टर अरविंद कुमार का कहना है कि साक्ष्य के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दीपावली मेले में जैन महिलाओं ने जलवा दिखाया

लखनऊ। दीपावली का आगाज हो चुका है। जैन समाज की महिलाओं द्वारा एक दीपावली मेले का आयोजन निरालानगर स्थित होटल रिग्नेंट में किया गया। जैन लेडीज क्लब द्वारा आयोजित दीपावली मेले का उद्घाटन बक्शी तालाब विधायक योगेश शुक्ला द्वारा किया गया। मेले में विभिन्न रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। बच्चों एवं महिलाओं ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। इसमें मुख्य आकर्षण वरिष्ठ जनों द्वारा रैंप वॉक रहा। इसके अलावा बच्चों का फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता एवं टैलेंट भी प्रस्तुत किया गया। मेले के प्रायोजक दर्शित एंटरप्राइज द्वारा प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। जैन लेडीज क्लब की अध्यक्षा मनीषा जैन ने बताया कि लखनऊ की समस्त महिलाओं को एक मंच पर लाने का जो प्रयास हमारे संगठन के द्वारा किया गया वो आज सार्थक हुआ। उपाध्यक्षा शिप्रा जैन एवं दीपाली जैन ने बताया कि अभी 300 परिवार हमारे साथ जुड़ चुके है और आगे पूरे लखनऊ को एक सूत्र में बांधने का काम किया जा रहा है। इस अवसर पर क्लब की मंत्री श्रुति जैन ने उपस्थित अतिथियों को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर वैशाली, पायल, अदिति, नीरा, प्रिंसी, सीमा आदि उपस्थित रहे।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com

R.N.I.- UPHIN/2012/45127

नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।